हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 28 अप्रैल 2025

11 आतंकवाद से पहले गद्दारों को संवारो, जल रोको जल्लादों का...

12 वेयर हाउस के डीएम का दावा, 2 लाख बैग उठाए, सच्चाई एक...

खबर संक्षेप

हाईवे पर थार ने बाइक में मारी टक्कर, मौत

फतेहाबाद। नेशनल हाइवे 9 सिरसा रोड पर एक तेजगति थार ने मोटरसाइकिल में टक्कर दे मारी। इस हादसे में बाईक सवार युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वहीं गाड़ी के अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सदर फतेहाबाद पुलिस को दी शिकायत में पंजाब के सरदूलगढ़ के गांव करंडी निवासी सुदेश कुमार ने कहा है कि उसका भाई रमेश कुमार फतेहाबाद में फैक्ट्री में काम करता है।

पुलिस ने पिस्तौल सहित युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस द्वारा नाजायज हथियार रखने वालों की धरपकड़ को लेकर दिए गए निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए जिला पुलिस ने भूना क्षेत्र से एक युवक को नाजायज हथियार सहित गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान अमन कुमार पुत्र कश्मीर लाल निवासी वार्ड नं. 9, भूना के रूप में हुई है।

बाइक लेकर खड़े युवक को कार ने मारी टक्कर

फतेहाबाद। भट्टूकलां के गांव बनमंदौरी के पास एक कार ने सडक़ किनारे मोटरसाइकिल लेकर खड़े युवक में सीधी टक्कर दे मारी। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए जयपुर के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में भट्टूकलां पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव पीलीमंदौरी निवासी संदीप कुमार ने कहा है कि वह मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी काम से भट्टू मण्डी गया था तभी हादसा हुआ।

मारपीट के मामले में युवक को किया काबू

फतेहाबाद। रतिया पुलिस ने घर में घुसकर एक युवक पर हमला करने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू किया है। पकड़े गए युवक की पहचान कामदेव पुत्र दलीप कुमार निवासी वार्ड नं. 4, रतिया के रूप में हुई है। आरोपी को जमानत पर रिहा किया गया है। थाना शहर रतिया प्रभारी एसआई रणजीत सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 19 अप्रैल को अमरजीत सिंह उर्फ रोहित निवासी वार्ड नं. 3, रतिया की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

दुकान की छत पर पड़े सामान में लगी आग

सिरसा। शहर के बेगू रोड पर स्थित मोबाइल की दुकान के छत पर पड़े सामान में आग लग गई। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। बेगू रोड पर स्थित स्टार मोबाइल शॉप के संचालक हरिश कुमार ने बताया कि रविवार दोपहर करीब दो बजे अचानक उसकी छत पर पड़े सामान में आग लग गई। जैसे ही उसे आग लगने का पता चला उसने दमकल विभाग में सूचना दी। दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया।

स्कूल में पोप फ्रांसिस को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

सिरसा। संत पोप फ्रांसिस के निधन पर सेंट जेवियर सीनियर सेकंडरी स्कूल में शोकसभा हुई। इस अवसर पर छात्रों और शिक्षकों ने पोप फ्रांसिस के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर चर्चा की। शोकसभा में उनकी आत्मा की शांति के लिए मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पोप फ्रांसिस ने अपने जीवनकाल में प्रेम, शांति और करुणा का संदेश फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

8 चिरंजीवियों में एक भगवान परशुराम, 21 बार धरती को क्षत्रिय विहीन किया

विष्णु के अवतार भगवान परशुराम का जन्मोत्सव 29 को

जिलेभर में 20 से अधिक स्थानों पर किया जाएगा कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

भगवान विष्णु के अवतार भगवान परशुराम की जयंती 29 अप्रैल को मनाई जाएगी। इस दिन जप, तप, दान और पूजा का अक्षय पुण्य फल मिलता है। तृतीया तिथि का शुभारंभ 29 अप्रैल को शाम 5:29 पर होगा, जो 30 अप्रैल की दोपहर 2:12 तक रहेगी, लेकिन इस बार भगवान परशुराम का जन्म दिवस 29 अप्रैल को प्रथम याम व्यापिनी तृतीया में मनाया जाएगा। शास्त्रों के अनुसार भगवान परशुराम का अवतार प्रदोष काल में हुआ है। हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर प्रदोष काल में भगवान परशुराम की पूजा की जाती है। हालांकि कुछ स्थानों पर जन्मोत्सव का कार्यक्रम 30 अप्रैल को भी मनाया जाएगा।

खास बातें

- प्रथम याम व्यापिनी तृतीया का शुभारंभ 29 को शाम 5 :29 से होगा
- भगवान परशुराम पृथ्वी पर ही करते निवास, इसी दिन दान-पूजा का मिलता अक्षय फल

इस बार सौभाग्य योग का बन रहा संयोग : पंडित राजेश शर्मा

मां लक्ष्मी की बरसेगी कृपा

शहर के प्रमुख ज्योतिषाचार्य पंडित राजेश शर्मा ने बताया कि वैशाख के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर है। सौभाग्य योग का संयोग बन रहा है। परशुराम जयंती पर सौभाग्य योग दोपहर 3 बजकर 54 मिनट तक है। इसमें भगवान परशुराम की पूजा करने से सौभाग्य में वृद्धि होगी और उनकी कृपा साधक पर बरसती है। उन्होंने बताया कि वैशाख के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर शोभन योग का निर्माण हो रहा है। शोभन योग शाम 3 बजकर 45 मिनट से है। इस योग में भगवान परशुराम की पूजा करने से हर एक मनोकामना पूरी होगी। साथ ही साधक पर मां लक्ष्मी की कृपा बरसेगी।

इस दिन यह रहेगा मुहूर्त

- ⏭सूर्योदय सुबह : 5 बजकर 42 मिनट पर
- ⏭सूर्यास्त : शाम 6 बजकर 55 मिनट पर
- ⏭चन्द्रोदय : सुबह 6 बजकर 29 मिनट पर
- ⏭चन्द्रास्त : रात 9 बजकर 03 मिनट पर
- ⏭ब्रह्म मुहूर्त : सुबह 4 बजकर 16 मिनट से 4 बजकर 59 मिनट तक
- ⏭विजय मुहूर्त : दोपहर 2 बजकर 31 मिनट से 3 बजकर 24 मिनट तक
- ⏭गोधूलि मुहूर्त : शाम 6 बजकर 54 मिनट से 7 बजकर 16 मिनट तक
- ⏭निशिता मुहूर्त : रात 11 बजकर 57 मिनट से 12 बजकर 40 मिनट तक

पंडित राजेश शर्मा।

भगवान परशुराम की मान्यताएं

पंडित राजेश शर्मा ने बताया कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान परशुराम भगवान विष्णु के छठे अवतार माने गए हैं। भगवान परशुराम कलयुग में मौजूद आठ चिरंजीवी में से एक हैं जो आज भी धरती पर मौजूद हैं। अक्षय तृतीया के दिन जन्म लेने के कारण ही भगवान परशुराम की शक्ति भी अक्षय थी। उन्होंने बताया कि भगवान परशुराम भगवान शिव और भगवान विष्णु के संयुक्त अवतार माने जाते हैं। भगवान परशुराम ने पिता की आज्ञा पर अपनी माता का वध कर दिया था। इस पाप से मुक्ति के लिए भगवान शिव की कठोर तपस्या थी। भगवान परशुराम ने 21 बार पृथ्वी को क्षत्रिय राजाओं से विहीन कर दिया था।

मंदिरों में भी विशेष कार्यक्रमों का होगा आयोजन

परशुराम जयंती पर ब्राह्मण समुदाय के विभिन्न संगठनों द्वारा जिलेभर में कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। शहर के भगवान परशुराम मंदिर में विशेष रूप से पूजन किया जाता है। यहां पर विभिन्न संगठनों के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा मंदिरों में भी विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है, जिसमें हवन, पूजन और भंडारा का आयोजन किया जाएगा। जिलेभर में 20 से अधिक स्थानों पर भगवान परशुराम जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने सिरसा में ड्रग फ्री हरियाणा साइक्लोथॉन 2.0 को दिखाई झंडी

एकजुट होकर हरियाणा के युवा को सशक्त और मजबूत बनाने में दें योगदानः सीएम

यात्रा का सिरसा के विभिन्न गांवों से होते हुए आज ओढ़ा में समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। साइक्लोथॉन को झंडी दिखाकर रवाना करते सीएम तथा साइकिल यात्रा में शामिल सीएम नायब सिंह सैनी। फोटो : हरिभूमि

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विकसित भारत और विकसित हरियाणा के सपने को साकार करने के लिए प्रदेश को नशा मुक्त बनाना अत्यंत आवश्यक है। इसलिए ड्रग फ्री हरियाणा के अभियान में सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट होकर हरियाणा के युवा को सशक्त और मजबूत बनाना है। उन्होंने संत समाज, खाप पंचायतों, सरपंचों और प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे इस महाअभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और नशा मुक्त हरियाणा बनाने की दिशा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। नायब सिंह सैनी रविवार को सिरसा में ड्रग फ्रीहरियाणा साइक्लोथॉन 2.0 के समापन अवसर पर साइकिल यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना करने उपरांत उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। साइक्लोथॉन रविवार को शहीद भगत सिंह स्टेडियम के नजदीक से शुरू होकर सिरसा के अलग अलग इलाकों से होते हुए आज ओढ़ा में सम्पन्न हुई। इससे पहले मुख्यमंत्री स्वयं साइकिल चलाकर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे और नशा मुक्त हरियाणा का संदेश दिया। सीएम ने कहा कि आज साइक्लोथॉन के माध्यम से सिरसा में ऊर्जा, उत्सव आर एकता का जो अद्भुत संगम देखने को मिला है, यह नशे के खिलाफ सामूहिक लड़ाई का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस साइक्लोथॉन को खाप पंचायतों ने अपना समर्थन दिया है, ये गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि गत 5 अप्रैल को हिसार से शुरू हुई यह साइकिल रैली पूरे प्रदेश का भ्रमण कर आज 23 दिनों की यात्रा के बाद अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंची है। उन्होंने इस रैली में भाग लेने वाले सभी युवाओं को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि इन युवाओं ने दिन-रात एक कर नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया है। यह केवल एक रैली नहीं थी, बल्कि एक नई सोच की शुरुआत थी, जिसमें स्वास्थ्य, पर्यावरण, सडक़ सुरक्षा और युवा सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आयोजकों, प्रतिभागियों और नागरिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब लक्ष्य नेक हो, सोच ईमानदार हो और प्रयासों में जन-भागीदारी हो, तो समाज की किसी भी बुराई को जड़ से मिटाया जा सकता है। हरियाणा की धरती जवान, पहलवान और किसान की धरती, यहां नशे के लिए कोई स्थान नहीं नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा की धरती जवान, पहलवान और किसान की धरती है, यहां नशे के लिए कोई स्थान नहीं है। हम सभी को मिलकर धाकड़ हरियाणा को आगे बढ़ाना है।

सरपंचों से आग्रह, अपने गांवों को नशा मुक्त करें

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमने सरपंचों से भी आग्रह किया है कि वे अपने गांवों को नशा मुक्त करें, प्रदूषण मुक्त बनाएं, स्वच्छता, स्वास्थ्य इत्यादि मानकों पर उच्च प्रदर्शन करें। प्रदेशभर में पहले स्थान पर आने वाले ऐसे गांव को 51 लाख रुपये, दूसरे स्थान पर 31 लाख रुपये तथा तीसरे स्थान पर आने वाले गांव को 21 लाख रुपये का पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति नशे के मकड़ जाल में फंस चुका है, तो उससे दूरी न बनाएं बल्कि उनकी मदद करके उन्हें मुख्यधारा से जोडऩे का प्रयास करें। यात्रा में विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल कौशिक, उपायुक्त शांतनु शर्मा, पुलिस अधीक्षक डा. मयंक गुप्ता, पूर्व मंत्री गोपाल कांडा, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, भाजपा जिला प्रभारी वेद फुला, जिलाध्यक्ष भाजपा सिरसा यतिंद्र सिंह एडवोकेट, डबवाली जिलाध्यक्ष रेणू शर्मा आदि मौजूद रहे।

सिरसा। मुख्यमंत्री नवनिर्मित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह के साथ ही चार अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सीएम ने सिरसा में 61.33 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिला सिरसा को लगभग 61 करोड़ 33 लाख रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह के साथ ही चार अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के दो प्रोजेक्ट, चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय तथा लोक निर्माण विभाग के एक-एक प्रोजेक्ट का लोकार्पण किया। उन्होंने कालांवाली विधानसभा क्षेत्र में 994.54 लाख की लागत से गुढ़ा डिस्ट्रीब्यूटरी का जीर्णोद्धार तथा डबवाली विधानसभा क्षेत्र में 609 लाख रुपए की लागत से डबवाली डिस्ट्रीब्यूटरी के नवीनीकरण कार्य का लोकार्पण किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने 2051.13 लाख रुपए की लागत से चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में बने नए शिक्षण ब्लॉक नंबर 5 का उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने 2478.22 लाख रुपये की लागत के निर्मित आधुनिक पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस भवन का भी लोकार्पण किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने जन समस्याएं सुनी और अधिकारियों को यथाशीघ्र समाधान के निर्देश दिए। इस मौके पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी, उपायुक्त शांतनु शर्मा, पुलिस अधीक्षक डॉ. मयंक गुप्ता, चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई, रजिस्ट्रार राजेश बंसल, जिलाध्यक्ष भाजपा सिरसा यतिंद्र सिंह एडवोकेट, जिलाध्यक्ष भाजपा डबवाली रेणू शर्मा, जगदीश चोपड़ा, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल आदि मौजूद रहे।

भूना। हसंगा गांव में निर्माणाधीन कम्युनिटी सेंटर का कार्य अधर में लटका हुआ।

निर्माणाधीन कम्युनिटी सेंटर का काम अधूरा छोड़ ठेकेदार गायब

हरिभूमि न्यूज ⏭भूना

गांव हसंगा में बन रहा कम्युनिटी सेंटर पिछले कई महीनों से अधूरा पड़ा है। निर्माण कार्य बीच में रुक गया है। काम को बीच में छोडक़र गायब होने वाले ठेकेदार महताब सिंह ने बताया कि पंचायती राज विभाग की तरफ से करीब एक करोड़ रुपये का भुगतान नहीं हुआ है। इसी कारण मजदूरों, राजमिस्त्रियों और निर्माण सामग्री के पैसे देने में दिक्कत आ रही है। आर्थिक संकट के चलते काम बंद करना पड़ा है। गांव के सुशील कुमार, रमेश कुमार, राकेश कुमार और विराट कुमार ने बताया कि कम्युनिटी सेंटर बनने से विवाह समारोह और अन्य कार्यक्रमों के लिए सुविधा मिलती, परंतु अब ग्रामीणों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा। निर्माण अधूरा होने से गांव में नाराजगी है। ग्रामीणों ने डीसी फतेहाबाद और पंचायत मंत्री से मांग की है कि काम जल्द शुरू कराया जाए। इस बारे ठेकेदार ने कहा कि सेंटर लगभग पूरा हो चुका है। विभाग की तरफ से बड़ी राशि अटकी होने के कारण मजदूरों को भुगतान नहीं हो पा रहा। अधिकारियों ने जल्द भुगतान का आश्वासन दिया है। उसके बाद काम दोबारा शुरू किया जाएगा।

क्या कहते हैं एक्सईएन

पंचायती राज टेक्निकल विंग के कार्यकारी अभियंता देवेंद्र सिंह ने कहा कि उन्हें निर्माण रुकने की जानकारी नहीं है। गांव में कम्युनिटी सेंटर का काम किसी भी कीमत पर बंद नहीं होने दिया जाएगा। इसको लेकर ठेकेदार से जबाव तलब किया जाएगा। अगर ठेकेदार का भुगतान बकाया है तो एसडीओ से जानकारी लेकर जल्द भुगतान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कम्युनिटी सेंटर का काम जल्द शुरू होगा।

सीलिंग प्लान में 28 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई

- कानून तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा : एसपी

हरिभूमि न्यूज ⏭डबवाली

पुलिस प्रशासन ने बीते शनिवार शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक सीलिंग प्लान अभियान चलाया जिसमें पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर 28 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। एसपी निकिता खट्टर ने स्वयं सभी नाका व पेट्रोल पार्टियों की चेकिंग की व व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बताया कि सीलिंग प्लान का उद्देश्य जनता में पुलिस के प्रति सुरक्षा की भावना व और अधिक विश्वास पैदा करना व अपराधियों पर कारगर ढंग से अंकुश लगाना है। अभियान के तहत जिला पुलिस ने चौक-चौराहों व सार्वजनिक स्थानों पर विशेष रूप से नाकाबंदी, चेकिंग तथा भीड़ वाले स्थानों पर पैदल गश्त कर अपराधियों के नापाक इरादों पर लगाम लगाई। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस अभियान में भाग लिया।

सिरसा। सीलिंग प्लान अभियान के दौरान कर्मचारियों को निर्देश देती एसपी।

450 वाहनों की हुई जांच

सीलिंग प्लान अभियान के दौरान 450 व्हीकलों को चेक किया गया जिसमें से 28 वाहनों का मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत चालान किया गया। इनके मुख्य रूप से ट्रिपल राइडिंग, बिना नंबर प्लेट, गलत पार्किंग, बिना पेटर्न की नंबर प्लेट, रांग साइड ड्राइविंग सहित अन्य धाराओं के तहत चालान किए गए। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने कहा कि कानून तोडऩे वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस कर्मियों ने चौकियों व विभिन्न शाखाओं में की साफ-सफाई

फतेहाबाद पुलिस ने चलाया श्रमदान अभियान

- श्रमदान की अवधारणा भारत में लंबे समय से प्रचलित : एसपी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धान्त जैन के मार्गदर्शन में फतेहाबाद पुलिस जहां अपराध व अपराधियों पर नकेल कसने में कामयाब साबित हुई है, वहीं समाज की मुख्य धारा में चलते हुए श्रमदान का महत्व भी बता रही है। इसी श्रमदान अभियान को आगे बढ़ाते हुए आज फतेहाबाद पुलिस के अधिकारियों व कर्मचारियों ने अपने थाना, चौकियों व विभिन्न शाखाओं में साफ-सफाई की। इसमें सभी प्रभारियों व कर्मचारियों ने तन-मन से भाग लिया और श्रमदान के महत्व को समझा।

फतेहाबाद। थानों में सफाई अभियान चलाते पुलिस कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

श्रमदान श्रम की गरिमा से जुड़ा

पुलिस अधीक्षक सिद्धान्त जैन ने श्रमदान के महत्व के बारे में कहा कि श्रमदान की अवधारणा भारत में लंबे समय से प्रचलित है। श्रमदान श्रम की गरिमा से भी जुड़ा है और इससे भी गहरा दावा है कि सभी श्रम समान रूप से सामाजिक रूप से आवश्यक है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का मानना था कि केवल स्वच्छता ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि समान दर्जे पर आधारित सामाजिक व्यवस्था ही श्रमदान का सार है। सौ साल पहले महात्मा गांधी ने भारतीय समाज को राष्ट्रवाद की दिशा में ले जाना शुरू किया था और इसमें कोई संदेह नहीं है कि श्रमदान इसे हासिल करने का एक बड़ा तरीका है।

जो प्रेम असहिष्णु हो, जो दूसरों के मनोभावों का तनिक भी विचार न करे, जो मिथ्या कलंक आरोपण करने में संकोच न करे, वह उन्माद है, प्रेम नहीं।

- मुंशी प्रेमचंद

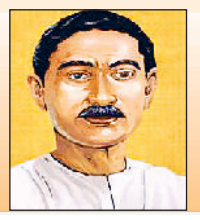

कभी-कभार वह देर रात तक घर लौटती थी। हमें उसके आने का बेसब्री से इंतजार रहता और सड़क की उतराई पर टकटकी लगाए घंटों देखते रहते, परन्तु बुआ नहीं आती। कभी छींका खाली मिला तो भूखे ही बैठे रहते, मौसी से रोटी माँगने की हिम्मत नहीं होती थी। कहते भी तो मौसी झिड़क देती थी-''खाने का ही काम है। यहाँ कोई भंडारा खुला है- जब बने खा लेना।''

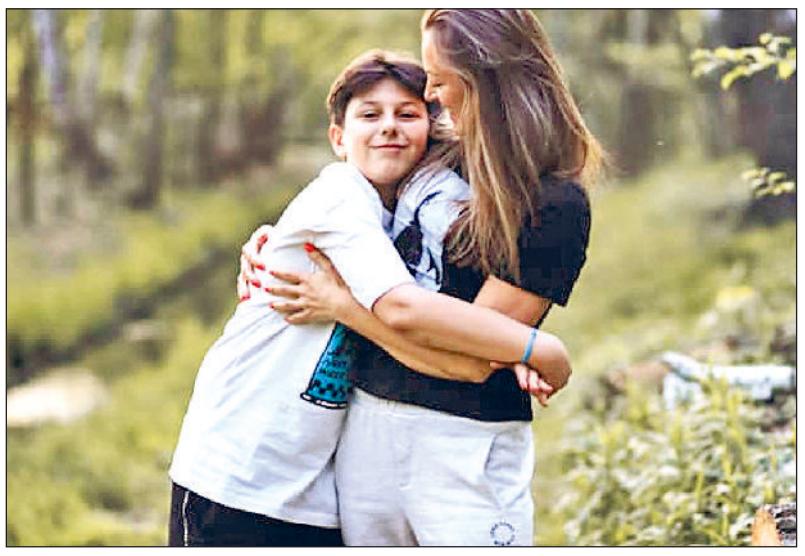

कहानी

डा. सुरेश वशिष्ठ

बुआ

मां की याद उभरती-ख्वाबों की तरह। मैंने उसे कभी देखा नहीं, फिर भी उसकी याद को दिल में सँजोए रहा हूँ। बुआ के पास उसकी एक तस्वीर देखी है, जिसे देखने पर दिल में ख्वाब जाग उठते थे और मैं दुलार की कामना में खोने लगता था। मौसी जब बखेड़ा कर बैठती तब लगता कि माँ होती तो यह होता ही क्यों, मौसी घर में आती ही क्यों? बापू दूसरी शादी करते ही क्यों। होनी को कौन टाल सकता है। माँ मरी तो मौसी आ गई। अपना भाग्य, दोष किसे दूँ? मुझे तो अपना जीवन जीना ही था। माँ के अभाव को बुआ ने महसूस नहीं होने दिया। फिर भी यह लगता ही था कि कहीं कुछ अधूरा है, वीरान है। कोई तड़प जगती और हम बुआ की गोद में मुँह घुसेड़कर रो दिया करते।

मेरी माँ बुआ को बहुत चाहती थी। उसकी मौत के समय मेरी उम्र एक माह की थी। भाभी के बच्चों को पालना ही बुआ ने अपना फर्ज समझा और ससुराल से अपना नाता सदा-सदा के लिए तोड़ लिया। बड़ी दो बहनों की शादी माँ के सामने हो गई थी। कौशल्या बची थी और एक मैं, जिसका बोझ बुआ के बेसहारा कंधों पर था। मौसी जब हमें लेकर कुहराम छेड़ती, तब बुआ अपनी गोद में हमें दुबका लेती और मौसी को भला-बुरा कहती, परन्तु वह थी कि समझती ही नहीं थी। बापू भी मौसी की ही तरफदारी करते थे। बुआ हमारे लिए उनसे कुछ लाने को कह देती तब मौसी बिफर उठती और हमें सौत का गोबर कहकर कोसा जाता था। बापू चुपचाप सब सुनते थे, लेकिन कहने को उनके पास कुछ नहीं होता था, और ना ही मौसी को उन्होंने कभी कुछ कहा।

मौसी के दोनों बच्चे खूब उत्पात मचाते और खुलकर हँसते-खेलते लेकिन हमारे कूदने और हँसने पर पाबन्दी थी। पड़ोस के मनहर काका के घर हमें खुलकर हँसने और खेलने की आजादी थी। वह काकी भी हमें बहुत चाहती थी। यह काकी मेरी माँ की सखी थी। बापू पहले ऐसे नहीं थे। माँ को बहुत चाहते थे और हमें भी बेहद प्यार करते थे, लेकिन यह सब माँ के सामने ही था।...अब जाने क्यों वे हम सभी से दूर रहने लगे थे। बुआ शादी के बीस वर्ष बाद भी माँ नहीं बन पाई थी। शायद कुदरत को यही मंजूर था। यह भी उन्होंने सोच लिया था कि बीस वर्षों में जब औलाद पैदा नहीं हुई तो अब कहाँ से होगी। फूफा दूसरी ब्याहता ले आये थे और उससे उन्हें चार बच्चे प्राप्त हुये। उनका घर-संसार बस गया। बुआ को यही बड़ी खुशी थी। अब शायद हमें ही पाल-पोसकर वह माँ की जगह बैठना मुनासिब समझने लगी थी। हमें रुआँसी आती तो वह छाती में हमें दुबका लेती और कहती--''मैं माँ ही तो हूँ ! पगला-- बौरा गया क्या?''

बुआ और हम सौतेली माँ के मोहताज थे। हालांकि बुआ स्वयं भी कमाती थी, और जुगाड़ नहीं हुआ तो बड़ी बहनों की ससुराल खबर कर देती, परन्तु हमें किसी चीज से निसारा नहीं रखती थी। लाली हमें लुभा-लुभा कर बाजार जाती थी। मौसी की इस लड़की को ना जाने क्यों- हमें लुभाने में बड़ा मजा आता था। मौसी उसे प्यार करती, दुलारती और हमें सुनाती हुई पैसे देकर बाजार भेजती। कहती--'कुछ लेकर खा लेना।' उस समय बुआ का मन गमगीन होने लगता था। कुछ-कुछ बुनता-सा और सूरत रोनी-सी, कभी हमें लगता भी था कि वह रो रही है। कभी वह मौसी को समझाती-''परसी की बहू, बच्चों से यह भेद अच्छा नहीं।...इन्हें भी कुछ ला दिया कर, खिला-पिला दिया कर ! परसी का ही खून है, ऐसा दुराव ठीक नहीं।'' तब मौसी होंठ बिचकाती और 'ऊहूँ' कह कुढ़ पड़ती थी।

हमें स्कूल पहुँचाकर बुआ निकट के ही गाँव में, काम पर चली जाती थी। हमें कह कर जाती-'तुम्हारे लौटने तक आ जाऊँगी। स्कूल से सीधे घर आना, मौसी कुछ कहे तो जवाब नहीं देना। छींके पर रोटी रखी है--पूछकर खा लेना।'

कभी-कभार वह देर रात गए तक घर लौटती थी। हमें उसके आने का बेसब्री से इंतजार रहता और हम सड़क की उतराई पर टकटकी लगाए घंटों देखते रहते, परन्तु बुआ नहीं आती। कभी छींका खाली मिला तो भूखे ही बैठे रहते, मौसी से रोटी माँगने की हिम्मत नहीं होती थी। कहते भी तो मौसी झिड़क देती थी। गुस्से से वह कहती-''खाने का ही काम है। हर समय खाना-खाना, यहाँ कोई भंडारा खुला है- जब बने खा लेना।'' उसका 'ऊहूँ' कहकर कुढ़ना अब तक हमें याद है। दोनों भाई-बहन चुप-चुप खरगोश से तांकते और कुछ बोलते नहीं थे। बुआ काम से लौटकर पूछती-- 'खाना खाया?' तो हम झूठे ही हामी भर देते। कौशल्या कहने लगती- 'देर से क्यूँ आती हो बुआ?' तब वह कहती-'किसी दिन काम देर तक होता है तो देर हो ही जाती है।' मौसी हँस पड़ती और आँखें नचाकर चिढ़ाती--'जनना तो रहा नहीं, पोसने चली है।...मालूम नहीं कहाँ-कहाँ मरती फिरती है।' बुआ केवल घूरती-कुछ कहती नहीं। माँ के मरने से ही बुआ को यह सब सुनना पड़ रहा था। काकी बताती है- 'कभी तेरी माँ ने बुआ को इतना नहीं कहा। इज्जत भी दी और सब्र भी।'और मेरी मौसी, उसे तो बुआ फूटी आँख भी नहीं सुहाती। एक रोज बुआ बहुत उदास दिखाई दी। शायद जी-भर वह रोई भी थी। उस दिन वह खेत में हमें अपने साथ ले गई। जीजी ने पूछा-''बुआ, तुम्हें मौसी क्यों जली-कटी सुनाती है, वह घर क्या तुम्हारा नहीं?'' तिस पर वह बोली--'तू कुछ नहीं सोच...फिर मुझे ही तो कोसती है।' और इतना कहकर, हमें अंक में भर वह दहला देने वाली हूक के साथ रो पड़ी थी। उसे यूँ रोता देख हम भी रोने लगे थे। रोते-रोते जब थक गये, तो बुआ ने साग तोड़ा और पास बैठाकर हमें दिलासा देने लगी-''तुम कुछ ना सोचा करो। सोचने को मैं जो हूँ।...मुन्नू बड़ा होगा तब हमारा अपना घर बनेगा। वहाँ कोई कुछ कहने वाला नहीं होगा।''

मुझे दुलार कर कहने लगी-''तू जल्दी बड़ा हो जा मुन्नू...तुझे नौकरी लगवाऊँगी और ठाठ से तेरा ब्याह करूँगी...तब होगा अपना घर।'' वह सब सहना हमारी नियति थी। हमें अच्छे-बुरे का ख्याल होने लगा था और हम अनचाहे समय को पीछे धकेलने लगे थे। समय को पंख लगाकर उड़ा देने की लालसा थी हमारी।

मैं सोचने लगता था-''नौकरी पर खड़ा हो जाऊँगा तो बुआ को आराम दूँगा। बहुत पीड़ा सही है बुआ ने, बापू तो हमारी खैर-खबर कभी लेते ही नहीं । बुआ ना होती तो क्या होता-सोचकर भी डर लगने लगता है।'' समय बीतता रहा और हम बड़े होते रहे।

कौशल्या का चौहदवाँ साल बीत रहा था। एक रोज उसने कहा--''स्कूल नहीं जाऊँगी। तुम मजदूरी करती हो ना, मैं भी करूँगी।'' तब बुआ बिफरी--''चुपकर ! सीधे स्कूल चली जा, दो किलास पास कर लेव तो तेरा ब्याह रचा दूँ।'' कौशल्या जिद करने लगी। बुआ को गुस्सा आ गया और उसने एक जोरदार थप्पड़ कौशल्या के मुँह पर जड़ दिया। गाल सुर्ख हो गया। उसकी थकी-सी आँखों से चुप-चुप आँसू चूने लगे। बुआ भी सुबक पड़ी। सहमी-सहमी नजरों से कौशल्या उसके रोने को देखती रही और फिर उसके घुटनों में दुबककर सिसकने लगी। जीजी ने फिर मजदूरी पर जाने को कभी नहीं कहा। एक रोज मौसी और बुआ में जोरदार झगड़ा हुआ। मौसी ने हमारे गूदड़ फेंक दिये और बुआ को घर की कच्ची कोठरी में रहने को ढकेल दिया। बापू ने सब देखा पर अनजान बने रहे।

उस शाम, दरवाजा खुला था। भीतर गहरा सन्नाटा व्याप्त था। बाती तक नहीं जली थी। मुझे चिंता हुई-''क्या बुआ घर में नहीं है? बाती क्यूँ नहीं जलाई...कहीं बुआ बीमार तो नहीं?'' मन घबराने लगा था। तेज-तेज कदमों से मैं भीतर पहुँचा। बुआ को आवाज दी।

तब के बाद हम वहीं रहने लगे। बुआ सुबह काम पर जाती और देर संध्या तक घर लौटती। जीजी घर का काम सँभालती। स्कूल जाने तक और स्कूल से लौटने तक सब काम निपटा लेती। कच्ची कोठरी में हम पहले से सुखी थे। वहाँ आनन्द ही आनन्द था। अपना मन और अपनी खुशी थी। गरीब हुये तो क्या हुआ-खुलकर हँस तो सकते थे। रोने पर भी कोई पाबन्दी नहीं थी। अब बुआ को भी हम पहले सी चुप-चुप और गमगीन नहीं देखते थे। लेकिन बुआ काम से थकी-थकी घर लौटती और नींद में कुहुलती थी। समय बीतता गया और जीजी ने दसवीं पास कर ली। तब, एक रोज--बड़ी जीजी व जीजाजी घर आए। उनके साथ दो औरतें भी थीं और एक पगड़ बाँध बुड्ढा भी। वह कौशल्या को देखने आये थे। बड़े जीजा के रिश्तेदार थे और उन्हीं के कहने से बुआ ने यह रिश्ता पक्का किया था। रिश्ता तय हुआ तो बुआ ने राहत की साँस ली। शादी की तारीख पक्की नहीं हुई थी लेकिन बुआ बहुत प्रसन्न थी।

मैं उस वक्त आठवीं में पढ़ रहा था। बुआ का स्वप्न जाग उठने को आतुर था। उसे राहत मिल रही थी कि अगले दो वर्ष में मुन्नू दसवीं पास कर लेगा। कहीं नौकर होगा तो राहत की साँस लूँगी। वह अब खामोश नहीं रहती थी, खूब चिहुँकती थी और खुश रहती थी। कहती थी--''साल-दो साल की मेहनत है, मुन्नू सब सँभाल लेगा। सुख की नींद सोऊँगी और बहू से डटकर सेवा कराऊँगी। मेरा बेटा नौकर होगा तो घर भर को आराम देगा। बुढ़ापा आ गया है, अब आराम की साँस लूँगी। भाभी का कहा पूरा हुआ। मुझे सुख मिलेगा और उसकी आत्मा को शान्ति। परसी ने जो किया-वह भोगे। खैर ! अब दिन ही कितने हैं?''जीजी आज दुल्हन बनी है। आँगन में मंगल-गीत गाये जा रहे हैं। ढोलक, थापी और नाच-आनन्द! रस्म हुई और कौशल्या को डोली-सी सजी कार में लिए उसका दूल्हा अपने गाँव ले गया। गाँव भर ने जीजी को खूब कन्यादान दिया था। मौसी ब्याह में शामिल नहीं हुई और ना ही उसने बापू को हम तक आने दिया। बापू की जगह मनहर काका ने पूरी की। विदाई के समय जीजी काका के गले लगकर जी-भर रोई थी। काका ने कहा था-''रो नहीं बेटी, जिनके पिता नहीं--वे अनब्याही नहीं रहतीं और तेरे पास तो काका है, बुआ है, बड़ी बहनें और भाई है।...तू काहे रोती है।'' पराया धन पराया हो गया। बुआ को जब कभी उसकी याद आती तो वह मुझे गोदी में दुबका लेती और बिस्तर में पड़ रहती।

समय के साथ-साथ बुआ अब बुढ़ा गई थी। उसे चिन्ता थी-''जाने मेरे बाद मुन्नू का क्या होगा, कौन सम्भालेगा इसे? बुढ़ापा आ धमका, अब क्या भरोसा।''मैंने इसी साल मैट्रिक पास किया था। बड़े जीजाजी ने नगर पालिका में जुगाड़ देखा और मुझे नौकरी पर खड़ा कर दिया। बुआ को मानो कारू का खजाना मिल गया था। वह बड़े जीजाजी की तारीफ करती नहीं अघाती थी। वर्षों से जो स्वप्न देख रही थी, वह पूरा होने को था। अब यही तमन्ना बाकी थी कि 'मुन्नू का ब्याह रचा दूँ और सुन्दर-सी बहू मेरे आँगन में दिखाई दे।' बापू के प्रति कभी-कभार उसका विक्षोभ फूट पड़ता था और वह ना जाने उन्हें कितना कुछ कह जाती थी। मेरी माँ को वह अब तक भुला नहीं पाई थी।

मेरा वह इतना ख्याल रखती थी कि जरा-सा मुझे कुछ हुआ नहीं कि हिरनी-सी सहम जाती और अपने ही घर में बीमार-सी लगने लगती। मानो कोई खुशी उसके हाथों से निकली जा रही हो ! मेरे बाहर जाने पर चिन्तित हो उठती थी और मेरे लौटने तक फिक्र में ही कुढ़ती रहती। उस शाम, दरवाजा खुला था। भीतर गहरा सन्नाटा व्याप्त था। बाती तक नहीं जली थी। मुझे चिंता हुई--''क्या बुआ घर में नहीं है? बाती क्यूँ नहीं जलाई...कहीं बुआ बीमार तो नहीं?'' मन घबराने लगा था। तेज-तेज कदमों से मैं भीतर पहुँचा। बुआ को आवाज दी। सन्नाटा और गहरा महसूस हुआ। दीया जलाया तो देखा-लकड़ी के खम्ब से पीठ टिकाए बुआ मौन बैठी है। मन थर-थर काँपने लगा...कुछ शंका भी हुई। छूकर देखा- बुआ नहीं थी। बची थी सिर्फ माटी। सूखा तन-निढ़ाल। आँखें दरवाजे पर लगी थी, पूरी खुली हुई आँखें... मेरी ही बाट जोहती। हथेली से पलकों को मूँदा और बुआ की गोद में सिर रख फूट पड़ा। चीखने लगा मन। बुआ-बुआ पुकारता मैं तड़फने लगा था...लेकिन मेरी बुआ ने आँखें खोलकर एक बार भी मुझे नहीं देखा। बुआ कहूँ या माँ, जिसकी अर्थी को कन्धों पर उठाए चल रहा हूँ। पीछे रह गया बहनों का आंतर्नाद...मन के गह्नर में बुआ की जिन्दा छवि उभर आई जिसमें उसे कहते सुना-''मुन्नू सब सँभाल लेगा...सुख की नींद सोऊँगी मैं...बहू से डटकर सेवा कराऊँगी।'' मन चीख पड़ा-''बुआ..!'' लेकिन बुआ तो नहीं बोली..।

कविता | कृष्ण लाल' गिरधर '

वक्त को वक्त नहीं लगता

वक्त चलता है अपनी चाल से उसे वक्त नहीं है।
मानव चलता है अपनी चाल से वह कमबख्त नहीं है।
वक्त ना देखे ऊंचा नीचा क्या वह सख्त नहीं है?
मानव भरा ऊंच-नीच से क्या वह कमबख्त नहीं है?

वक्त को वक्त नहीं है पर रहता है सावधान।
मानव वक्त के आगे झुकता खो देता है पहचान।
वक्त वक्त में वक्त बदलता, ना छोड़ेगा अपनी चाल।
मानव से गिरगिट शर्माए बदल बदल कर है बदहाल।

वक्त सभी को वक्त है देता, पहचान कराता वक्त पर।
उस मानव को सबक सिखाएं जो जीता दूजे के हक पर।
वक्त को वक्त नहीं लगता, वो वक्त पर बतलाता है।
जो मानव वक्त चूक गए , वक्त लौट ना आता है।

वक्त नहीं गुलाम किसी का अपनी इसकी है रफ्तार ।
वक्त के आगे सभी नतमस्तक, करता सभी से सम व्यवहार।
वक्त को वक्त नहीं लगता, छुड़वा देता है घर बाहर।
वक्त को वक्त नहीं लगता, पहना देवे खुशियों के हार।

मंथन | पं . कमलकांत भारद्वाज

धैर्यविहीन युवा

बुजुर्ग समाज का आईना होते हैं । मैंने उनसे काफ़ी अनुभव और शिक्षाप्रद बातें सुनी। शेर ही जंगल का राजा क्यों हैं जबकि हाथी उससे कई गुना ताक़तवर और शक्तिशाली है। लेकिन शेर धैर्यवान है। एक रोज मैं अपने कुछ दोस्तों के साथ चर्चा कर रहा था कि आज की युवा पीढ़ी यानी 21वीं सदी के बच्चों के पास सभी सुख-सुविधाएं हैं जो कि आधुनिक युग के अनुसार परिपूर्ण है। लेकिन फिर भी आत्महत्या, रिश्तों में दरार और समस्याओं का तुरन्त समाधान चाहिए ऐसी स्थिति देखने को मिलती हैं। इन सभी का एक ही कारण है वो है धैर्यहीनता,सहनशीलता में कमी या सब्र न होना। अगर जीवन में कुछ करना है और निरन्तर पानी की तरह बहते रहना है तो युवा पीढ़ी को सहनशील या धैर्यवान बनना पड़ेगा। धैर्य आपकी क्षमता को प्रदर्शित करता हैं आप, धैर्यवान बनेंगे तो आप शक्तिशाली बनेंगे जंगल के राजा शेर की तरह जो भरपेट होने के बाद शिकार नहीं करता सब्र करता हैं।

कविता

प्रोफ़ेसर ज्योति राज

प्रभात

नयन का नयन से नमन हो रहा है
जमीं पर ऊषा आगमन हो रहा है

परत दर परत चाँदनी कट रही है
वो देखो निशा का गमन हो रहा है

बढ़ी जा रही हौले हौले अरुणिमा
नये दिन का कैसा सृजन हो रहा है

मधुर मुक्त आभा सुगंधित पवन है
लगता है कहीं पर हवन हो रहा है

समय ये सराबोर उल्लास से है
चहूँ ओर उजला सदन हो रहा है

नया दिन हो जैसे नये गान जैसा
हृदय 'राज' कितना मगन हो रहा है

मुक्तक

वीरेंद्र मधुर

सीमाएं

आतंकी रूबरू रहा होगा,
जो मरा वो हिंदू रहा होगा।
मधुर जो पूछता कि धर्म क्या ,
वहीं खून का बिंदू रहा होगा।।

तनावों से भरी सीमाएं हैं ,
हलक में घुसी चिंताएं हैं।
आग के संवाद से मधुर,
आतंक की भागी हवाएं हैं।।

अब चलेंगी मिसाइल ऐसा धुआं होगा,
दुश्मन के पेट में अब लंबा सुआ होगा।
देश में आक्रोश मधुर मासूमों के बदले,
आतंकियों के वास्ते सूखा कुआं होगा।।

प्रसिद्ध साहित्यकार और कवि डॉ. शिवकांत शर्मा का आधुनिक युग में साहित्य के सामने आ रही चुनौतियों को लेकर कहना है कि हमारे साहित्य का बहुत ही गौरवशाली इतिहास रहा है, जो आज के दौर में अनेक कारणों से उपेक्षित है। इसका कारण सोशल मीडिया की विस्तारित लोकप्रियता, बढ़ते पाश्चात्य प्रभाव, मनोरंजन प्रधान मानसिकता आदि है, जिसकी वजह से समाज के बड़े हिस्से को स्तरीय व संस्कारित साहित्य से विमुख किया है।

साक्षात्कार | ओ.पी पाल

साहित्य के बिना समाज की कल्पना संभव नहीं : डॉ. शिवकांत शर्मा

भारतीय संस्कृति और सामाजिक परंपराओं को इस आधुनिक युग में जीवंत रखने की चुनौतियों से निपटने के लिए लेखक, कवि, गजलकार और साहित्यकार अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य संवर्धन करने में जुटे हैं। साहित्य से जुड़े विद्वानों में ऐसे ही साहित्यकारों में डा. शिवकांत शर्मा भी शुमार हैं, जो समाज को नई दिशा देने के मकसद से चिकित्सक होने के साथ साहित्यिक साधना करते आ रहे हैं। उन्होंने सामाजिक सरोकार, समसामयिक चिंतन, व्यवस्था से जूझते मानवीय संघर्ष व भारतीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन जैसे गंभीर मुद्दे अपने लेखन के मूल भाव में समाहित किये हैं। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में डा. शिवकांत शर्मा 'शिव' ने कुछ ऐसे अनछुए पहलुओं का जिक्र किया है कि साहित्य के बिना समाज की कल्पना करना बेमानी है।

हरियाणा के भिवानी में पेशे से चिकित्सक एवं साहित्यकार व कवि के रूप में लोकप्रिय डॉ. शिवकान्त शर्मा का जन्म हिसार जिले के गांव पेटवाड़ में मदनगोपाल शास्त्री और शशि देवी के घर में 23 जून 1958 को हुआ। उनके दादा पंडित रामप्रसाद उस समय के सुप्रसिद्ध लोककवि रहे हैं, जिन्होंने अनेक खंडकाव्य लिखे और वे सनातन के प्रबल प्रचारक व लोकप्रिय भजनोपदेशक भी थे। इनके पिता मदन गोपाल शास्त्री भी हरियाणवी संस्कृति के पुरोधा के रूप में हरियाणा के शीर्षस्थ साहित्यकारों में शुमार रहे हैं, जिनकी हिन्दी व हरियाणवी में 10 पुस्तकें सभी लेखन विधाओं में प्रकाशित हुई हैं। हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा उन्हें पंडित लखमीचंद सम्मान (2009) व महाकवि सूरदास सम्मान(2013) से विभूषित किया गया। परिवार से मिली साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ा रहे डा. शिवकांत शर्मा भी बचपन से ही इस क्षेत्र में अभिरुचि रखने लगे थे। हिंदी गीत, हरियाणवी गीत, कविता, दोहे और ग़ज़लों के साथ कहानी लेखन में भी गहन अभिरुचि रखने वाले डा. शिवकांत शर्मा ने अपनी पहली रचना एक कविता के रूप में महज 16 साल की आयु में लिख डाली थी। मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के बाद शुरू हुई उनकी साहित्यिक यात्रा अनवरत जारी है। उनकी सर्वप्रिय विधा गीत लेखन है। अपनी विलक्षण प्रतिभा के बल पर एमबीबीएस, एमडी की शैक्षणिक डिग्रियां हासिल करके भिवानी में एक अस्पताल का संचालन करके वरिष्ठ छाती रोग विशेषज्ञ के रूप में स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। बकौल डा. शिवकांत शर्मा, साहित्य जगत की शुरुआत में उन्होंने नीरज के गीतों से प्रेरित होकर अनेक गीत व कुछ कविताएं लिखीं, जिनका प्राणतत्व प्रेम भाव व प्रणय केंद्रित रहा है। उनकी रचनाए कॉलेज मैगजीन में भी छपती रही। वर्ष 1985 में उनकी नियुक्ति भिवानी के सरकारी अस्पताल में हुई, जिसके बाद उन्हें अनेक साहित्यिक अनुष्ठानों में भाग लेने का मौका मिलने लगा। यहां के शायरों के सम्पर्क व प्रभाव में आकर उनकी ग़ज़ल लेखन में रुचि और गहराती चली गई, हालांकि उनका गीत लेखन भी निरंतर चलता रहा। साहित्यिक मंच मिलने से अपनी रचनाएं सुनाने व और गुणी मित्रों की रचनाएं सुनने से लेखन में सुधार व निखार आया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक प्रेम भाव केंद्रित रचनाओं के बाद उनके लेखन के मूल भाव में मुख्यतयाः सामाजिक सरोकार, समसामयिक चिंतन, व्यवस्था से जूझते मानवीय संघर्ष व भारतीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन जैसे गंभीर विषय रहे हैं। वहीं पिछले कुछ समय से हरियाणवी ग़ज़ल में विशेष रुचि होने पर उन्होंने कुछ ग़ज़लें ठेठ हरियाणवी भाषा में भी लिखी और साहित्यिक मंचों से सुनाए जाने पर उन्हें लोकप्रियता मिली, जिन्हें सराहना भी मिली। डा. शिवकांत ने आकाशवाणी, हिसार दूरदर्शन, जनता टीवी आदि चैनलों पर आयोजित विभिन्न मुशायरों व कवि सम्मेलनों में सहभागिता की है और अखिल भारतीय 'ग़ज़ल कुम्भ' में कई बार ग़ज़ल पाठ किया। इनका कहना है कि जहां तक युवा पीढ़ी में साहित्य के प्रति अनुराग पैदा करने का सवाल है उसके लिए स्कूल स्तर पर उन्हें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक व साहित्यिक धरोहर से परिचित करवाना आवश्यक है। स्कूल व कॉलेज स्तर पर कविता लेखन प्रतियोगिताएं और कार्यशाला आयोजित कर युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित करना होगा। वहीं आकाशवाणी व दूरदर्शन से युवा केंद्रित साहित्यिक गतिविधियां बढ़ाने की आवश्यकता है।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि डा. शिवकांत शर्मा की प्रकाशित पुस्तकों में हरियाणा साहित्य अकादमी के सौजन्य से एक ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज़ से' प्रमुख रूप से सुर्खियों में है, जिसमें 84 ग़ज़लें शामिल हैं। जबकि उनका एक ग़ज़ल संग्रह व गीत संग्रह प्रकाशनाधीन हैं। ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज़ से' की भूमिका वरिष्ठ शायर ज़मीर दरवेश ने लिखी है। उनके लिखे गीत ग़ज़लें और अन्य रचनाएं राष्ट्रीय पत्र, पत्रिकाओं के अलावा काव्य संग्रहों में संकलित होकर प्रकाशित हुई हैं।

डॉ . शिवकांत शर्मा

पुरस्कार व सम्मान

साहित्य के क्षेत्र में श्रेष्ठ उपलब्धियों के लिए डॉ. शिवकान्त शर्मा को हरियाणा साहित्य अकादमी ने उनके ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज़ से' को सर्वश्रेष्ठ कृति सम्मान से नवाजा है। वहीं वे राज्यकवि उदयभानु 'हंस' कविता सम्मान से भी अलंकृत हो चुके हैं। उन्हें विशिष्ट साहित्यिक अलंकरण, भिवानी रत्न, ग़ज़ल-गौरव सम्मान, पं. देवराज संधीर स्मृति सम्मान, पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान जैसे अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. शिवकान्त शर्मा 'शिव'
जन्मतिथि : 23 जून 1958
जन्म स्थान : गांव पेटवाड़ (हिसार)
शिक्षा : एम.बी.,बी. एस, एम.डी.
संप्रति : चिकित्सक,साहित्यकार एवं कवि

अनछुए पहलुओं की दास्तां 'हाजरा का बुर्का ढीला है'

पुस्तक : हाजरा का बुर्का ढीला है
लेखिका : डॉ. तबस्सुम जहां
मूल्य : 17 5 रुपये
प्रकाशक : शिवना प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा | डॉ. अल्पना सुहासिनी

हाजरा का बुर्का ढीला है, डॉ. तबस्सुम जहां द्वारा लिखित एक रोचक एवं पठनीय कहानी संग्रह है। इस कहानी संग्रह में समाज के छुए-अनछुए पहलुओं पर बड़ी ही गहनता और मार्मिकता के साथ प्रकाश डाला गया है। संवाद शैली ऐसी है, कि कहानी को एक बार पढ़ना शुरू किया जाए, तो पूरी पढ़े बिना नहीं रहा जाता।

समाज के विभिन्न पहलुओं पर लिखी गई कहानियां दिल को छू जाती हैं और यह सोचने पर मजबूर कर देती हैं कि इतने समृद्ध कहे जाने वाले समाज में कुछ चीजें आज भी ज्यों की त्यों बनी हुई हैं। सभी कहानियां आरम्भ से लेकर अंत तक पाठक को बांधे रखती हैं। चूंकि कहानीकार स्वयं स्त्री हैं तो उनकी कहानियों में स्त्री पक्ष की दुविधाएं और विसंगतियां भी बखूबी उभरकर आई हैं। यह तबस्सुम जहां का पहला कहानी संग्रह है जिसमें 12 कहानियां हैं। शीर्षक कहानी, हाजरा का बुर्का ढीला है, पाठकों को सबसे ज़्यादा प्रभावित करती है। इस कहानी की विशेषता है संवादात्मक शैली। लेखिका ने अपनी कहानियों को बोझिलता से पूर्णतः बचाए रखा है और उनमें सरसता का पुट बनाए रखा है जिसके चलते कहानियाँ भीतर तक उतरती चली जाती हैं। इनकी कहानियों की जो दूसरी विशेषता हमारा ध्यान खींचती है वह है आंचलिकता का पुट। आधुनिक दौर में लेखन से आंचलिकता कहीं दूर जा रही हैं लेकिन ये कहानियाँ उस आंचलिकता को अपने में समेटे हैं जिस कारण उनकी सौंधी महक पाठकों को प्रफुल्लित, आनंदित करती है। मौत बेआवाज़ आती है, नामक कहानी में अपनी रोजी रोटी की जुगत में लगे मजदूरों की तकलीफ़, उनके दर्द, उनकी टीस की अभिव्यक्ति जिस देशज भाषा में हुई है उस प्रयोग ने कहानी को आमजन की कहानी बना दिया है। 'गुरु दक्षिणा' कहानी की अगर बात करें तो वह कहानी भी कहीं न कहीं शिक्षा जगत के अंधेरे पक्षों पर रोशनी डालती है। 'अपने अपने दायरे' कहानी में लेखिका ने मिसेज़ गिल की पूरी जिंदगी को 20 गोले के ज़रिए ऊकेर कर रख दिया है। उनकी, 'सच्चा भक्त' कहानी वर्तमान असहिष्णु दौर में शीतल बयार जैसी लगती है।

लेखिका को हिंदू मुस्लिम दोनों संस्कृतियों की नब्ज़ पता है, वे उनके भीतर तक पैठी हैं। इन संस्कृतियों में और इसी कारण उन्होंने जो भी लिखा वह अधिक विश्वनीय दस्तावेज है। संग्रह की अन्य कहानियां झूठा ईश्वर, प्रेम और समर्पण, कला और भीख, शहर वापसी भी अपने रोचक क्लेवर से पाठकों का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं।

खबर संक्षेप

किसान पर हमले के तीन आरोपी काबू

फतेहाबाद। गांव अयाल्की में एक किसान पर हमला करने के मामले में कार्रवाई करते हुए सदर फतेहाबाद पुलिस ने तीन युवकों को काबू कर शामिल तफ्तीश किया है। पकड़े गए युवकों की पहचान जगदीप, गुरदीप सिंह पुत्र गुरसंगत सिंह व मुकेश उर्फ फौजी पुत्र हरी सिंह निवासी अयाल्की के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से एक पिकअप गाड़ी व लोहे की राड बरामद की है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी इंस्पैक्टर कुलदीप ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 21 अप्रैल को ढाणी खानपुर निवासी करनैल सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार जब वह कम्बाइन लेकर खेतों की तरफ जा रहा था तो रास्ते में पिकअप गाड़ी में आए दो युवकों जगदीप व फौजी ने उसके साथ गाली गलौच किया और बाद में अपने साथियों को बुलाकर उस पर लोहे की राड से हमला कर दिया। इसी दौरान अज्ञात युवक ने उसकी जेब से 20 हजार रुपये भी निकाल लिए। इस मामले में सदर फतेहाबाद पुलिस ने केस दर्ज कर तीन युवकों को काबू कर शामिल तफ्तीश किया और आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

अवैध शस्त्र अधिनियम में सप्लायर जांच में शामिल

डबवाली। आपराधिक मामलों में वांछित आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान थाना शहर पुलिस ने शस्त्र अधिनियम के एक पुराने मामले में सप्लायर यादवीर सिंह निवासी पोहडक्रां थाना ऐलनाबाद जिला सिरसा को अदालत के आदेशानुसार जांच में शामिल करने की कार्रवाई की है। शहर थाना प्रभारी उप निरीक्षक शैलेंद्र कुमार ने बताया कि बीती 18 फरवरी 2025 को सीआईए डबवाली टीम ने मंडी डबवाली से अवैध देसी पिस्तोल 32 बोर व 8 जिंदा कारतूस, मैगजीन सहित आरोपी अमनदीप सिंह निवासी जंभेश्वर नगर वार्ड नंबर 7 मंडी डबवाली को काबू किया था। पूछताछ में आरोपी अमनदीप सिंह ने बताया कि वह यह असला आरोपी यादवीर सिंह से लेकर आया था। इसी आधार पर अब आरोपी यादवीर सिंह को अदालत के आदेशानुसार जांच में शामिल किया गया है।

तृप्ता चिटकारा को बनाया अध्यक्ष

सिरसा। अखिल भारतीय सेवा संघ महिला धार्मिक शाखा सिरसा की एक बैठक रविवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. इंद्र गोयल की अध्यक्षता में हुई, जिसमें तृप्ता चिटकारा को शाखा अध्यक्ष, सीमा फुटेला को सचिव, मीना जैन को कोषाध्यक्ष, विशु बत्रा को सहसचिव, गुरदेव कौर को पीआरओ एवं डिंपल अरोड़ा को उपाध्यक्ष बनाया गया। डॉ. गोयल ने बताया कि संघ एक सामाजिक एवं धार्मिक संस्था होने के कारण यह धार्मिक संस्था के रूप में भी कार्य करेगी, जिसमें संकीर्तन, सुंदरकांड, रामायण पाठ, भागवत कथा, गुरुग्रंथ साहिब का पाठ, लंगर भंडारा एवं अन्य धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। शाखा अध्यक्ष तृप्ता चिटकारा ने कहा कि सिरसा की सभी महिलाएं मिलकर कम से कम महीने में एक धार्मिक कार्य अवश्य करेंगी।

जुआ खेलते दो काबू 5500 राशि बरामद

हांसी। जुआ व सट्टा के खिलाफ चलाया जा रहे विशेष अभियान के दौरान थाना शहर पुलिस ने ताश के पत्तों के साथ जुआ खेल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान जगदीश कालोनी निवासी रवींद्र व राकेश के रूप में हुई है पुलिस ने पकड़े गए दोनों आरोपितों के पास से 5500 राशि बरामद किए हैं।

अवैध देसी शराब की 12 बोतल के साथ एक काबू

हांसी। नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सदर थाना पुलिस ने 12 बोतल अवैध देशी शराब के साथ चारकुतुब गेट निवासी कालू को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार शहर थाना पुलिस ने गश्त पड़ताल दौरान समाधा रोड़ स्थित खरड़ चुंगी के समीप उसे शक के आधार पर ली गई तलाशी के दौरान अवैध देसी शराब की 12 बोतल बरामद हुई।

आतंकवाद के विरूद्ध गूंजे कवियों के स्वर

आतंकवाद से पहले गद्दारों को संवारो, जल रोको जल्लादों का, गोली के बदले गोले दागो

▶▶| सेंट जोसफ इंटरनेशनल स्कूल में गोष्टी आयोजित ▶▶| काव्य रूप से दी श्रद्धांजली ▶▶| दो मिनट का रखा मौन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। कवि गोष्ठी में अतिथियों का स्वागत करते आयोजक।

पिछले दिनों कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष पर्यटकों के प्रति संवेदना प्रकट करने, उन्हें काव्य रूप से श्रद्धांजली देने तथा दुराचारी आतंकवादियों के विरोध में सेंट जोसफ इंटरनेशनल स्कूल, बीघड़ रोड फतेहाबाद में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। विद्यालय के डीएम तथा शिक्षाविद् सर्वजीत मान की अध्ययक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्यअतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. ओमप्रकाश कादयान थे तथा मंच संचालन शिक्षक व कवि डॉ. सुदामा शास्त्री ने किया। कविता पाठ से पहले आतंकवाद का शिकार हुए लोगों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। काव्य पाठ करते समय कवियों में आतंकवादियों, पाकिस्तान तथा भारत विरोधी गद्दारों के खिलाफ गुस्सा साफ झलक रहा था।

कवि गोष्ठी की शुरूआत युवा कवि व हिन्दी के प्राध्यापक देवेन्द्र कुमार 'अशंक' ने उग्रवादियों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करते हुए की। उन्होंने देश के गद्दारों के प्रति कहा कि 'आतंकवाद से पहले गद्दारों को संवारो, जल रोको जल्लादों का, गोली के बदले गोले दागो।'

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग जींद के जिला सलाहाकार व कवि रणधीर मताना ने अपनी कविता के माध्यम से आह्वान किया कि 'उठो धरा के वीर जवानो, पुनः नया निर्माण करो, खिल उठे फिर से जम्मू की वादियां, पहलगांव में फिर से ऐसा सुकाम करो।' रणधीर मताना ने अपनी दूसरी कविता में उग्रवाद व पाकिस्तान को कभी न भूलने वाला सबक सिखाने की बात कही तो मानावाली गांव के वरिष्ठ कवि डॉ. सुरेश पंचारिया 'संस्कारी' ने पहलगाम की घटना से दुःखी होकर व्याकुल मन से कहा 'नित नयनों से पिंघल-पिंघल कर, मन की पीड़ा बरसे, पता नहीं घर लौटेगा भी, जो निकला है घर से।' डॉ. पंचारिया ने पूरे जोश, किन्तु दुःखी हृदय से चार कविताएं सुनाई। शिक्षक व कवि डॉ. सुदामा शास्त्री ने उग्रवाद के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करते हुए कहा 'आतांकिस्तान के नापाद इरादों को कुचलना होगा, विषधर के विष को खाक में दफन करना होगा, मानवता के दुश्मनों को जहन्नुम में भेजना होगा।'

कार्यक्रम में अन्य लोगों, कवियों व विद्वानों के साथ-साथ राजीव धमीजा ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सर्वजीत मान ने पहलगाम की घटना को दुःखद व हिंसक बताया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि आतंकवाद का कोई समाधान निकले। मुख्यअतिथि वरिष्ठ साहित्यकार व यायावर छायाकार डॉ. ओमप्रकाश कादयान ने कहा कि उग्रवाद देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व पर ऐसा काला व दुःखद धब्बा है जो भाइचारे व अहिंसा की जड़े खोखली कर रहा है। कोई भी उग्रवादी किसी भी धर्म का रक्षक हो ही नहीं सकता। उसकी न कोई जात है, न धर्म, न उसके पास मानवता है, न समाज-देश के प्रति वफादारी। वह केवल राक्षस प्रवृति वाले ऐसे लोग हैं जो शांति व विकास में बड़े बाधक हैं। अंत में सर्वजीत मान ने सभी कवियों का धन्यवाद किया।

आर्य समाज ने मृतकों के लिए किया हवन-यज्ञ

फतेहाबाद। आर्य समाज मंदिर, सुंदर नगर फतेहाबाद में रविवारीय यज्ञ के माध्यम से 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजली दी गई। आतंकवादियों के द्वारा पर्यटकों की की गई नृशंस हत्या में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति हेतु एवं सद्गति के लिए आर्य समाज के सभी सदस्यों ने प्रार्थना की। आर्य समाज के पुरोहित पं. दीपक शास्त्री ने वैदिक मंत्रों के माध्यम से शांति मंत्रों द्वारा यज्ञ में आहूति डलवाई और दिवंगत आत्माओं की सद्गति की प्रार्थना भी की। आर्य समाज के सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजली प्रदान की। उपस्थित सभी सदस्यों ने इस जघन्य हत्याकांड की कड़े शब्दों में भत्र्सना करते हुए निंदा की और सरकार से मांग की कि इस घटना के दोषियों को कठोर सजा दी जाए। इस अवसर पर आर्य समाज के प्रधान अरूण ग्रोवर, पूर्व प्रधान बंसी लाल आर्य, बुधराम आर्य, सचिव डॉ. राजबीर शास्त्री, विजय निर्मोही, सतीश चौधरी, भूप सिंह पटवारी, नंदलाल आर्य, हरीश वर्मा, मा. रोशन लाल गोदारा, सुरेन्द्र सोनी सहित आर्य समाज के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

फतेहाबाद। बैठक में चर्चा करती आशा वर्कर्स व सीटू नेता। फोटो : हरिभूमि

आशा वर्कर्स ने पहलगाम आंतकवादी हमले की निंदा की, दी श्रद्धांजलि

फतेहाबाद। आशा वर्कर्स यूनियन सम्बंधी सीटू की बैठक आज बीघड़ रोड स्थित सीटू कार्यालय में हुई। बैठक में सबसे पहले जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए दर्दनाक आंतकी हमले पर दुःख प्रकट किया गया और इस हमले में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजली अर्पित की गई। बैठक की अध्यक्षता यूनियन की जिला प्रधान शीला शक्करपुरा ने की व संचालन कैशियर सुमन ने किया। बैठक में आशा वर्कर्स की मांगों को लेकर चर्चा की और आगामी आंदोलन को लेकर रणनीति बनाई गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रधान शीला शक्करपुरा व कैशियर सुमन ने कहा कि आशा वर्कर्स लम्बे समय से कर्मचारी का दर्जा पाने व न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये लागू करवाने, रिटायरमेंट की उम्र 65 वर्ष और पेंशन देने की मांग कर रही है, परन्तु केंद्र व प्रदेश की सरकारें उनकी मांगों की अनदेखी कर रही है। यही नहीं, 2023 में हुए आंदोलन के दौरान काटी गई पैमेंट फैसला होने के बाद भी नहीं दी जा रही है, जोकि प्रत्येक आशा वर्कर्स की लगभग 10 हजार रुपये रुपए बनती है। ऐसे में आशा वर्कर्स ने इन मांगों को लेकर आंदोलन करने का निर्णय लिया है। मई दिवस पर आशा वर्कर्स अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करेगी। सीटू नेता ओमप्रकाश अनेजा ने कहा कि केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ 20 मई को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल में न्यूनतम वेतन 26 हजार देने के साथ ही परियोजना वर्कर्स समेत सभी ठेका मजदूरों व अस्थाई कर्मचारियों को नियमित करने, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित सभी सार्वजनिक जन सेवाओं को मजबूत बनाकर विस्तार करने, लेबर कोड रद्द करने व ठेका प्रथा, निजीकरण और सम्प्रदायिकता पर रोक लगाने की मांग प्रमुखता से उठाई जाएगी। आशा वर्कर्स यूनियन नेताओं ने कहा कि ऑनलाइन काम की पेमेंट देने की फाइल लम्बे समय से मुख्यमंत्री की टेबल पर लटकी पड़ी है। यूनियन मांग कर रही है कि ऑनलाइन काम करने के लिए पहले संसाधन, ट्रेनिंग व पेमेंट दी जाए। तब तक विभागीय अधिकारी वर्कर्स पर आन लाइन काम करने का दवाब न बनाए। बैठक को सीटू नेता बेगराज, सविता, अंग्रेजो भूना, अनीता इंदाछुई, सुमन दिवाना, कमल, राजबाला दहमन सहित अनेक वर्कर्स ने संबोधित किया।

- मांगों को लेकर 1 मई को मजदूर दिवस मनाएगी वर्कर्स, 30 को सिविल सर्जन को देंगी हड़ताल का नोटिस

भाजपा भूना मंडल की नई कार्यकारिणी घोषित, नरेंद्र बागड़ी बने महामंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

मंडल अध्यक्ष डॉ. मनदीप योगी।

भारतीय जनता पार्टी के भूना मंडल अध्यक्ष डॉ. मनदीप योगी ने प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडोली और जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा की अनुमति के बाद मंडल की नई कार्यकारिणी घोषित कर दी है। नई कार्यकारिणी में चार उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। धर्मबीर नहला, संजय भारद्वाज गोरखपुर, शुभम वाल्मीकि भूना और गीता कसवां ढाणी गोपाल को यह जिम्मेवारी दी गई है। महामंत्री पद के लिए नरेंद्र बागड़ी वाइस चेयरमैन नगर पालिका भूना और सुरेश डाबला कुम्हारिया का चयन हुआ है। सचिव पद पर सुरेंद्र कुमार मोची वाली, सुरेश जाखड़ सिंथला, पार्षद पूजा छोकरा भूना और पूनम बाला सिंथला को नियुक्त किया गया है। कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी योगेश लीखा भूना को सौंपी गई है। आईटी सेल प्रमुख सतबीर ढाका भूना और मीडिया प्रमुख विपिन गर्ग बनाए गए हैं। सोशल मीडिया प्रमुख का दायित्व प्रमोद मकवाना गोरखपुर को दिया गया है।

मंडल कार्यकारिणी में जोगिंदर उर्फ जोनी खटर, मुकेश सिंगला, राकेश कंबोज, खासा पठाना सरपंच मांगेराम गोदारा, विक्रम शर्मा, राजबीर नहला, अरुण सेठी, बलजीत सोनी, ढाणी गोपाल सरपंच प्रतिनिधि रामकुमार गोदारा, चौबारा सरपंच जोगिंदर ओला, गंगाधर शर्मा, ढाणी गोपाल के सुरेंद्र खिचड़, अमित चंद्र सुथार, फकीरचंद जाखड़, मदन लाल यादव दहमान, राजकुमार वाधवा, पूनम सिंगला, सुनील कंबोज, महेंद्र गोदारा ढाणी गोपाल, रामनारायण गेदर, जिले सिंह जाखड़, महेंद्र झुंझाड़ बैजलपुर, संदीप मोचीवाली, बलजीत जांगड़ा, महेंद्र मेडल, प्रदीप भोड़ा, रमेश खटक, सीताराम सुथार, नटवरलाल, सोमनाथ इंदौरा, सत्यवान चौबारा, निहाल सिंह नायक, रमेश कुमार नायक और शमशेर सिंह रंगा को शामिल किया गया है। स्थाई आमंत्रित सदस्यों में भाजपा के वरिष्ठ नेता मोलू राम रूल्हनिया, गुलशन हंस, जोगिंदर पाल लीखा, बलवंत सिंह बैजलपुर, सुभाष सिवाच, नंदलाल कंबोज, कैलाश बंसल, चंद्र प्रकाश बोस्ती, मेवा सिंह वाल्मीकि और सचिन नायक को जिम्मेदारी दी गई है।

सेक्टर-33 में जल आपूर्ति की समस्या पर जताई चिंता

- वेलफेयर सोसायटी ने समस्या का हल न होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

सेक्टर 33 में पिछले कुछ समय से जल आपूर्ति की गंभीर समस्या बनी हुई है। इससे क्षेत्र के निवासी अत्यधिक परेशान हैं। रेजिडेंट वेलफेयर सोसायटी का कहना है कि सुबह निर्धारित समय पर भी पानी की आपूर्ति या तो पूरी तरह से बंद रहती है या बहुत कम दबाव से होती है। प्रधान धर्मवीर पानू ने बताया कि इस संबंध में सोसायटी की बैठक हुई जिसमें जल सहित अन्य समस्याओं पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि जल बारे कई बार शिकायत दर्ज कराने के बावजूद विभाग द्वारा अब तक कोई स्थाई समाधान नहीं किया गया है।

जल्द समाधान की मांग

प्रधान पानू ने बताया अन्य समस्याओं जैसे जल घर, पार्क डेवलपमेंट, कम्युनिटी सेंटर, बिजली घर, 45 मीटर की सड़क राष्ट्रीय मार्ग से जोड़ने के बारे में भी बैठक में विचार किया गया। इसके साथ ही इन मांगों के बारे में भी उच्चाधिकारियों और कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा से मिलने का निर्णय लिया गया। रेजिडेंट वेलफेयर सोसायटी के सचिव बलविंदर सिंह ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि इस समस्या को जल्द से जल्द हल किया जाए। यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए, तो क्षेत्रवासी सामूहिक रूप से आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

इससे बच्चों, बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों में रोष है उन्होंने विभाग से इस तरफ जल्द

न्यूज डायरी

टोहाना में सहारा रेस्क्यू टीम ने दी पहलगाम के आतंकी हमले के मृतकों को श्रद्धांजलि

फतेहाबाद। टोहाना की सहारा रेस्क्यू टीम ने पहलगाम में हुई 26 पर्यटकों की हत्या पर शोक जताया है। टीम प्रमुख नवजोत सिंह ढिल्लों ने इस घटना को इंसानियत के खिलाफ अपराध बताते हुए केंद्र सरकार से पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब देने की मांग की है। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ केंद्र सरकार के निर्णयों का समर्थन किया। सहारा रेस्क्यू उपचार केंद्र में आयोजित सभा में ढिल्लों ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी से टोहाना सहित राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में संदिग्ध प्रवासियों की बढ़ती संख्या पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो हरियाणा में बंगाल और कश्मीर जैसी स्थिति बन सकती है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से गैर-हरियाणवी प्रवासियों का सघन सत्यापन कराने की मांग की। कार्यक्रम में सहारा रेस्क्यू टीम के विक्रम बागड़ी, साहिल राजपूत, अयान कक्कड़, सोनू जमालपुर, केतन, प्रिंस, अजय और धवन बजाज भी मौजूद थे। सभी ने मृतक पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि देश की 140 करोड़ की आबादी भारत सरकार के साथ खड़ी है और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की अपील कर रहा है ताकि आतंकवाद को जड़ से खत्म किया जा सके।

टेंडर रद होने से उजाड़ रहे पार्कः राधेश्याम शर्मा

हरिभूमि न्यूज. सिरसा। जननायक जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के प्रधान महासचिव राधेश्याम शर्मा ने कहा कि नगरपरिषद सिरसा के चेयरमैन वीरशांति स्वरूप की ओर से पार्कों की देखरेख करने वाली एजेंसियों का टेंडर रद्द करने से पार्कों की दुर्दशा में तबदील हो गई है। राधेश्याम शर्मा ने जारी बयान में कहा कि हुडा सेक्टर में स्थित आदर्श पार्क का टेंडर रद्द किए जाने के बाद से रखरखाव पूरी तरह से बंद हो गया है जिसके चलते न केवल वहां की प्रकृति पूरी तरह से नष्ट होने के कगार पर है बल्कि वहां स्थापित शौचालयों की स्थिति भी बद्दतर स्थिति में पहुंच गई है। राधेश्याम शर्मा ने कहा कि नगरपरिषद चेयरमैन को इन टेंडर्स को रद्द करने से पूर्व किसी न किसी वैकल्पिक व्यवस्था का ऐलान भी किया जाना चाहिए था, मगर ऐसा न होने पर अब भीषण गर्मी में अधिकांश पार्कों में फूल पौधे पूरी तरह से झुलस गए हैं और उनकी कोई देखभाल नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि इन पौधों को पानी दिया जाना भी बंद हो गया है जिसके चलते पार्कों में चहुंओर अव्यवस्था फैल गई है। राधेश्याम शर्मा ने नगरपरिषद प्रशासन से अविलंब इस दिशा में कदम उठाने की अपील की है।

ट्रस्ट ने लावारिस अस्थियों का हरिद्वार में किया विसर्जन

सिरसा। श्री नीलकंठ समाज सेवा ट्रस्ट सिरसा ने प्रधान राजेश फुटेला की अध्यक्षता में लावारिस अस्थियों के सम्मानजनक विसर्जन का कार्य किया गया। ट्रस्ट द्वारा सिरसा से 10 अस्थियां और फतेहाबाद से 13 अस्थियां एकत्र कर हरिद्वार के लिए जत्था रवाना किया गया। जत्थे द्वारा हरिद्वार में पहुंचकर पवित्र गंगा में विधिपूर्वक इन अस्थियों का विसर्जन किया गया। ट्रस्ट सचिव जनक दाबड़ा ने बताया कि यह अस्थियां उन व्यक्तियों की थीं जिनका कोई अपना नहीं था। श्री नीलकंठ समाज सेवा ट्रस्ट सिरसा ने समाज के इस अनदेखे फर्ज को निभाते हुए हर एक अस्थि का पूरे विधि-विधान से विसर्जन किया। सदस्यों ने कहा कि यह केवल एक सेवा नहीं, बल्कि उन आत्माओं के प्रति हमारी श्रद्धा और जिम्मेदारी है। इस मौके पर अशोक सलूजा, वीणा मुंजाल, बाल सिंह रेणु, अमरजीत खुराना, बिशंबर खुंगर, सुरेंद्र बब्बर, नरेश बब्बर, लोकेश कुमार, जगदीश साहुवाला, इंद्र चिडावावाला, भोला ड्राइवर, धर्मेंद्र , दीपक गर्ग, दीनदयाल कंदोई भी मौजूद थे।

मालगाड़ी के कंटेनर में मिला संदिग्ध बैग

- अधिकारियों ने बैग की जांच की तो उसमें मिला कबाड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। मालगाड़ी के उपर पड़ा बैग।

हिसार से पंजाब की ओर जा रही एक मालगाड़ी के कंटेनर पर संदिग्ध बैग मिलने का समाचार है। बैग को उकलाना रेलवे स्टेशन के पास देखा गया, जिस पर स्टेशन अधिकारियों को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन और आरपीएफ तुरंत हरकत में आया और मालगाड़ी को उकलाना स्टेशन पर रोककर जांच की गई। उकलाना में रेलवे स्टेशन के मास्टर लूना सिंह ने बताया कि हिसार-लुधियाना रेलवे मार्ग से गुजर रही मालगाड़ी के एक कंटेनर के ऊपर संदिग्ध बैग दिखाई देने की सूचना अधिकारियों को मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल मालगाड़ी को उकलाना रेलवे स्टेशन पर रोका गया और आरपीएफ चौकी उकलाना की टीम ने अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में जांच शुरू की।

संदिग्ध वस्तु दिखाई देने पर तुरंत सूचना देने की अपील

जांच के दौरान एक कंटेनर के ऊपर एक बैग पाया गया, जिसे सावधानीपूर्वक नीचे उतारा गया और खोलकर देखा गया। बैग के अंदर कबाड़ आदि सामान मिला, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि यह बैग किसी व्यक्ति द्वारा फेंका गया होगा। करीब एक घंटे की जांच के बाद जब किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, तो मालगाड़ी को आगे के लिए रवाना कर दिया गया। इस प्रक्रिया के चलते मालगाड़ी करीब एक घंटा निर्धारित समय से देरी से रवाना हुई। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों और आम जनता से अपील की है कि यदि किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु दिखाई दे तो तुरंत रेलवे अथवा पुलिस को सूचना दें, ताकि किसी भी संभावित खतरे से बचा जा सके।

पुलिस ने देशी पिस्तौल व कारतूस के साथ युवक को किया काबू

हांसी। अवैध हथियार रखने वालों व अपराधों पर लगाम लगाते हुए स्पेशल स्टाफ हांसी पुलिस ने अवैध देसी पिस्तौल व जिंदा कारतूस के साथ हनुमान कालोनी निवासी सुमित को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि स्पेशल स्टाफ हांसी पुलिस को गश्त के दौरान सूचना के आधार पर हनुमान कॉलोनी निवासी सुमित का गिरफ्तार करके उससे 32 बोर का अवैध देसी कट्टा व एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।

रोडवेज महाप्रबंधक से मिला प्रतिनिधिमंडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

रोडवेज कर्मचारी यूनियन ने डिपो में कार्यरत कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए जीएम अजय दलाल से मुलाकात कर उन्हें एक मांगपत्र सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में कर्मचारियों की प्रमुख मांगों दिसंबर 2024 से कर्मचारियों का रात्रि भता बकाया देने, 13 अप्रेल को जो बसें प्रधानमंत्री की रैली में गई और 14 अप्रैल को वापस आई उन कर्मचारियों को रात्रि भता दिया जाए, ई-टिकटिंग मशीन जो रिपेयरिंग के लिए भेजी थी, उन 72 मशीनों को जल्द से जल्द वापिस मंगवाने, 1.7 का नोर्म जो बनाया गया है, वह नॉर्म दोबारा तैयार करने सहित अनेक मांगें शामिल थी। जीएम ने इन मांगों को तुरंत प्रभाव से लागू करने का आश्वासन दिया। महाप्रबंधक अजय दलाल ने कहा कि कर्मचारी विभाग की रीढ़ है। उन्होंने मौके पर ही 5.40 ऐलनाबाद की गाड़ी के लिए मौखिक आदेश कर दिए और कर्मचारियों की नाइट के सिलसिले में संबंधित अधिकारी को आगे की कार्रवाई करने के लिए आदेश दे दिए। महाप्रबंधक ने कर्मचारी यूनियन महासंघ का कर्मचारियों की मांगों के लिए ध्यान देने के लिए धन्यवाद किया और आश्वासन दिया कि कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा।

- समस्याओं के समाधान के लिए जीएम अजय दलाल से मुलाकात कर सौपा मांगपत्र

कार्यक्रम धूमधाम से मनाया श्री इन वन एमएसजी भंडारा व रूहानी स्थापना दिवस

मकान बनाकर पात्र परिवारों को सौंपी चाबियां व कैंप लगाकर जांचा स्वास्थ्य

डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह ने ऑनलाइन गुरुकुल के माध्यम से रूहानी सत्संग फरमाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

श्री इन वन एमएसजी भंडारा व रूहानी स्थापना दिवस रविवार को डेरा सच्चा सौदा की साध-संगत की ओर से धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शाह सतनाम-शाह मस्ताना जी धाम डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह ने ऑनलाइन गुरुकुल के माध्यम से रूहानी सत्संग फरमाया। इस अवसर पर आशीर्वाद मुहिम के तहत साध-संगत द्वारा बनाकर दिए गए मकानों की चाबियां पात्र परिवारों को सौंपी। वहीं पावन भंडारे की खुशी में शाह सतनाम जी स्पेशलिटी होस्पिटल्स में जनकल्याण परमार्थी चिकित्सा जांच शिविर लगाया गया। कैंप का लाभ उठाने के लिए आस-पास व दूरदराज से काफी संख्या में मरीज पहुंचे। चिकित्सकों की ओर से मरीजों को सही परामर्श दिया। इसके अलावा उन्हें दवाइयां भी फ्री दी गई। वहीं श्री इन वन एमएसजी भंडारा की खुशी में ड्राप मुहिम के तहत शाह सतनाम जी महाराज की जन्मस्थली जलालआणा साहिब व सिरसा के आस-पास के गांवों में 10 आरओ युक्त वाटर कूलर लगाए गए ताकि राहगीरों को ठंडा व स्वच्छ पेयजल मिल सके।

सिरसा। शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

फॉर्टिस हॉस्पिटल मोहाली में रोगियों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, दी दवाइयां

रतिया। आजाद मार्केट स्थित नवजीवन हॉस्पिटल में फॉर्टिस हॉस्पिटल मोहाली के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. गगनदीप गुप्ता एवं लीवर एवं पेट रोग विशेषज्ञ डॉ. डॉ मिलिंद मांडवा द्वारा रोगियों की मुफ्त जांच की गई। इस जांच कैंप में हड्डियों में कैल्शियम की मात्रा की जांच का टेस्ट, शुगर बीपी एवं ईसीजी इत्यादि सभी प्रकार के टेस्ट मुफ्त किए गए एवं लगभग डेढ़ सौ रोगियों की मुक्त जांच की गई। नवजीवन हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. नीरज कटारिया ने कैंप के बारे में बताया कि इस प्रकार के कैंप लगाने से अपने ही शहर में सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर की सुविधाएं मिल जाती है एवं रोगियों को बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इसके पश्चात डॉ. नीरज कटारिया ने बताया कि आगे भी विभिन्न प्रकार के सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरस को समय-समय पर बुलाकर रतिया में रोगियों के मुफ्त जांच का कैंप लगाया जाएगा।

खबर संक्षेप

सड़क हादसे के आरोप में बस चालक गिरफ्तार

फतेहाबाद। फतेहाबाद पुलिस ने सिरसा रोड पर हुए सडक़ हादसे के मामले में आरोपी बस चालक को काबू कर शामिल तफ्तीश किया है। पकड़े गए युवक की पहचान राजेश कुमार उर्फ हैप्पी पुत्र गुरबख्श सिंह निवासी भूथनकलां के रूप में हुई है। आरोपी को जमानत पर रिहा किया गया है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी एसआई ओमप्रकाश ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 22 अप्रैल को गांव शहीदांवाली निवासी रतन सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार उसका भाई हरदयाल सिंह फतेहाबाद से स्कूटी पर सवार होकर वापस गांव जा रहा था। जैसे ही वह सिरसा रोड पर पाइप फैक्ट्री के पास पहुंचा तो हरियाणा रोडवेज की बस के चालक ने उसकी स्कूटी में टक्कर दे मारी। इस हादसे में स्कूटी सवार हरदयाल सिंह की मौत हो गई। इस मामले में शहर फतेहाबाद पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को शामिल तफ्तीश कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

मारपीट के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

भट्टूकलां। अपराध मुक्त अभियान के तहत भट्टूकलां पुलिस ने आपसी लड़ाई के मामले में कार्यवाही करते हुए दो नामजद आरोपियों को शामिल तफ्तीश किया गया। शामिल तफ्तीश किए गए आरोपियो की पहचान प्रकाश पुत्र रोहतास निवासी गांव ढांड जिला फतेहाबाद व उसकी पत्नी सुशीला के रूप में हुई है। थाना भट्टूकलां प्रभारी एसआई राधेश्याम ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 24 अप्रैल को गांव ढांड निवासी शेर सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार शाम को अपने मकान के पीछे पंचायत जमीन जिस पर उसका हक है, में उसका भाई रोहतास, उसका लडक़ा पूनम व प्रकाश तुड़ी डाल रहे थे। जब उसने मना किया तो तीनों एकदम तैश में आकर मेरे साथ गाली गलौज करने लगे जो शोर सुनकर मेरा भाई दानाराम व मेरा लडक़ा नवीन थी वहां आ गए तो इन्होंने उनको भी गाली दी। फिर जयवीर पुत्र सतवीर, विकास पुत्र राधेश्याम व विकास की पत्नी भी मौके पर आ गई और उन पर हमला कर दिया। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों को शामिल तफ्तीश कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

डीपीएस में हुई खो-खो प्रतियोगिता

सिरसा। दिल्ली पब्लिक स्कूल सिरसा में उच्च प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के मध्य अंतर सदनीय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाडिय़ों ने अपने अद्वितीय कौशल का प्रदर्शन करते हुए खेल भावना का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में छात्र वर्ग के अंतिम मुकाबले में एंटीलिया सदन ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि ओरायन सदन ने कड़ा संघर्ष करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छात्रा वर्ग में ऑरीगा सदन ने अपनी चुस्ती और सूझबूझ से विरोधी टीमों को पछाड़ते हुए प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं फिनिक्स सदन ने प्रभावी प्रदर्शन से द्वितीय स्थान पर अपनी पकड़ बनाई। खेल प्रतियोगिता के उपरांत आयोजित सम्मान समारोह में विद्यालय की प्राचार्या रमा दहिया ने विजेता खिलाडिय़ों को सम्मानित करते हुए कहा कि खेल जीवन में सहयोग, अनुशासन एवं नेतृत्व जैसे जीवन मूल्यों का विकास करते हैं। उन्होंने सभी खिलाडिय़ों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार की उत्कृष्टता के लिए प्रेरित किया।

अब तक 533505 एमटी गेहूं आई, 2.21 लाख टन पड़ी खुले में, 730 करोड़ का भुगतान

जिला की मंडियों व खरीद केंद्रों मं गेहूं की आवक जोरों पर है। जिला में अब तक 34168 किसानों की विभिन्न एजेंसियों द्वारा 533505 मीट्रिक टन गेहूं फसल की आवक हुई है। अब तक 312229 मीट्रिक टन गेहूं की फसल का उठान किया जा चुका है, जिसमें फूड सप्लाई ने 46959 मीट्रिक टन, हैफेड ने 151105 मीट्रिक टन, एचडब्ल्यूसी ने 100271 मीट्रिक टन व एफसीआई ने 13894 मीट्रिक टन गेहूं की फसल का उठान किया गया है। जिला में अब तक विभिन्न खरीद एजेंसियों द्वारा किसानों को उनकी खरीदी गई गेहूं फसल के लिए 730 करोड़ 93 लाख रुपये की राशि का भुगतान किया गया है। सरकार द्वारा गेहूं का एमएसपी 2425 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

खरीद एजेंसियों को शासन-प्रशासन का कोई भय नहीं

व्यापार मंडल का कहना है कि गेहूं की खरीद शुरू हुए 13 दिन हो गए लेकिन अभी तक लिफ्टिंग नहीं हो पाई। सरकार का कहना है कि गेहूं को 48 घंटे में मण्डियों से उठा लिया जाएगा और गोदाम में जाकर इसकी पैमेंट की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। किसान के खाते में 72 घंटे में पैमेंट आ जाएगी। सवाल यह है कि जब मण्डियों से गेहूं की लिफ्टिंग होकर गोदामों में अनलोडिंग नहीं होगी तो उसकी पैमेंट किसान के खाते में कैसे आएगी। किसान पिछले 14 दिनों से आढ़ती के दरवाजे पर बैठा हुआ है। आढ़ती अधिकारियों के सहारे हैं। अधिकारी बेलगाम है। कोई भी शासन-प्रशासन इन्हें पूछने वाला नहीं है। गेहूं खरीद के समय सीएम नायब सिंह सैनी ने प्रदेशभर में दावे किए थे कि गेहूं का दाना खरीदा जाएगा और 72 घंटे में उसकी पैमेंट कर दी जाएगी।

वेयर हाउस के डीएम का दावा, 2 लाख बैग उठाए, सच्चाई एक दिन बाद भी 1 लाख 70 हजार बैग का ही हुआ उठान

उठान न होने के चलते रविवार को नहीं हुई गेहूं की खरीद, 13 दिन बाद भी वेयर हाऊस ने मात्र 34 फीसदी तो हैफेड ने 51 फीसदी किया उठान

सुरेन्द्र असीजा/फतेहाबाद

अनाज मण्डी में गेहूं की लिफ्टिंग धीमी होने के चलते रविवार को गेहूं की खरीद नहीं हुई। रविवार को गेहूं का उठान किया गया। फतेहाबाद मण्डी में गेहूं की सरकारी खरीद शुरू हुए आज 13 दिन हो चुके हैं। अभी भी 60 फीसदी गेहूं मण्डियों में पड़ा हुआ है। यानि कि औसत माने तो तीनों एजेंसियों का 40 फीसदी का ही उठान हुआ है। इनमें सबसे ज्यादा हैफेड ने 50 फीसदी उठान किया है जबकि सबसे कम हरियाणा वेयर हाऊस का अब तक केवल 34 फीसदी ही उठान हुआ है। हालांकि वेयर हाऊस के डीएम सुमित कुमार ने शनिवार को दावा किया था कि वेयर हाऊस ने फतेहाबाद की मण्डी से 2 लाख बैग का उठान कर दिया है जबकि सच्चाई यह है कि रविवार शाम तक भी वेयर हाऊस ने अनाज मण्डी से केवल 1 लाख 70 हजार बैग का ही उठान किया है।

फतेहाबाद की मण्डी में कितनी आवक हुई और कितना

सरकार ने प्रदेश में एक अप्रैल से गेहूं की सरकारी खरीद शुरू करने की घोषणा कर दी थी लेकिन खराब मौसम के चलते गेहूं का पकाव नहीं हो पाया था, जिस कारण गेहूं मण्डियों में 15 दिन लेट आई। फतेहाबाद की अनाज मण्डी में 14 अप्रैल को एसडीएम व डीएफएससी ने गेहूं की सरकारी खरीद शुरू की थी। हरियाणा वेयर हाऊस ने 14 अप्रैल से अब तक 12 दिनों में फतेहाबाद अनाज मण्डी में 5 लाख गेहूं की बोरियां खरीदी, जिसमें रविवार शाम तक मात्र 1 लाख 70 हजार बोरियों की ही लिफ्टिंग हो पाई। यह कुल खरीद का 34 फीसदी बनता है। ऐसे ही खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 3 लाख 90 हजार गेहूं की बोरियों की खरीद की, जिसमें से अब तक 1 लाख 90 हजार बोरियों का ही उठान हो पाया है। यह खरीद का 48 प्रतिशत है। हैफेड ने अब तक कुल 6 लाख 15 हजार गेहूं की बोरियां खरीदी। इसमें से 3 लाख 14 हजार बोरियों का उठान हो चुका है।

औपचारिकता पूरी कर चले गए एसीएस विनीत गर्ग

पिछले दिनों सरकार के आदेश पर प्रदेश सरकार के एसीएस विनीत गर्ग गेहूं खरीद का निरीक्षण करने फतेहाबाद पहुंचे थे। उनका फर्ज तो यह था कि वह किसानों, आढ़तियों व मजदूरों से बातचीत करते कि उनकी समस्या क्या है लेकिन उन्होंने मात्र अधिकारियों की राय लेकर उनके कहने पर ही चुनिंदा खरीद केन्द्रों का दौरा किया और मात्र औपचारिकता पूरी कर चले गए। बाद में उन्होंने विश्राम गृह में जिला अधिकारियों की बैठक ली। खास बात यह रही कि फतेहाबाद की पुरानी मण्डी जोकि गेहूं के मामले में सबसे व्यस्तम मण्डी मानी जाती है, आढ़तियों की दुकानें भी यही है, यहां पर एसीएस साहब पहुंचे ही नहीं। शहर से 5 किलोमीटर दूर अतिरिक्त अनाज मण्डी में एक ढेरी पर रूके। एक मजदूर और एक किसान से समस्या पूछी और बिना निदान किए वहां से चले गए।

मांगों को लेकर बड़ौली को मांग पत्र सौंपा

श्री ब्राह्मण महासभा ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

श्री ब्राह्मण महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को सिरसा में राजकुमार शर्मा के निवास पर पहुंचे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडोली से शिष्टाचार भेंट की। ब्राह्मण महासभा के जिला प्रधान सुशील शर्मा, हीरालाल शर्मा, राजकुमार चोटिया, सुधीर सारस्वत, विजय शर्मा, हरीश भारद्वाज, रोहित शर्मा ने प्रदेशाध्यक्ष का स्वागत किया। प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष से कहा कि सिरसा में ब्राह्मण समाज के लिए कोई अच्छी हालत में धर्मशाला नहीं है और स्थान भी पर्याप्त नहीं है, इसलिए सिरसा में सर्वसमाज के हित के लिए ब्राह्मण समाज की नई धर्मशाला होना अत्यंत जरूरी है।

उन्होंने ब्राह्मण धर्मशाला के साथ-साथ चिकित्सालय व संस्कृत विद्यालय के लिए जगह उपलब्ध करवाने व निर्माण की भी मांग रखी, जिस पर प्रदेशाध्यक्ष ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि इन मुद्दों पर तुरंत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से विचार कर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

सिरसा। श्री ब्राह्मण महासभा का प्रतिनिधिमंडल भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडोली को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

सरकार से किसान व आढ़ती दुःखी : गर्ग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग रविवार को अनाज मंडी में गेहूं खरीद का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार की गलत नीतियों से प्रदेश का किसान व आढ़ती बेहद दुखी है। मण्डियों में आज भी 31 लाख मीट्रिक टन गेहूं पड़ी हुई है। सरकार की लापरवाही के कारण मण्डियां गेहूं से भरी पड़ी हैं। बजरंग गर्ग ने कहा कि मुख्यमंत्री के गेहूं खरीद, उठान व भुगतान 48 घंटे में करने के सभी दावे पूरी तरह से फेल सिद्ध हुए हैं जबकि गेहूं की सरकारी 1 अप्रैल 2025 से शुरु की गई। आज 27 दिन बीत जाने के बाद भी गेहूं खरीद का उठान व भुगतान नहीं हो पाया है। गेहूं उठान व भुगतान न होने के कारण किसान व आढ़तियों में सरकार के प्रति बड़ी भारी नाराजगी है। गेहूं खरीद के समय दो बार बारिश होने के कारण हजारों क्विंटल गेहूं किसान की खराब हो गई है और खेतों में बिजली की तारें नीचे लटकने के कारण हजारों एकड़ फसल जलकर राख हो गई है, जिसके कारण किसानों को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। सरकार को गेहूं खराब होने और फसल जलने के नुकसान की तुरंत भरपाई करनी चाहिए। मंडियों में तुरंत प्रभाव से गेहूं का उठान व भुगतान करें। गर्ग ने कहा कि सरकार ने गेहूं उठान का टेंडर व मंडियों में बारदाना लेट देने से गेहूं के उठान से देरी हुई है जिसका खामियाजा किसान व आढ़तियों को भुगतान पड़ रहा है। सरकार को गेहूं उठान में देरी करने वालों ठेकेदार व सरकारी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। गर्ग ने कहा कि मण्डियों में अनाज खरीद करने के लिए पूरी व्यवस्था करनी चाहिए। इस अवसर पर उनके साथ व्यापार मंडल के जिला प्रधान हीरालाल शर्मा, शहरी प्रधान कीर्ति गर्ग, संदीप मिढ़ा, अश्विनी बंसल, सुधीर ललित, राजेंद्र बंसल, पवन गर्ग, पुरुषोत्तम गर्ग आदि व्यापारी भी मौजूद थे।

सिरसा। व्यापार मंडल के प्रदेशाध्यक्ष बजरंग गर्ग मंडी में गेहूं खरीद का जायजा लेते हुए।

महिला के कान से बाली छीनने के मामले में एक युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। टोहाना पुलिस ने एक महिला के कान से सोने की बाली छीनने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए युवक की पहचान राहुल उर्फ गप्पड़ पुत्र शमशेर सिंह निवासी जमालपुर शेखां के रूप में हुई है। थाना सदर टोहाना प्रभारी एसआई शादी राम ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 22 अप्रैल को जमालपुर शेखां निवासी महिला बबली बाई की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार जब वह हैदरवाला रोड, भाखड़ा नहर से लकड़ी लेकर घर जा रही थी तो दो युवक गपड़ पुत्र शमशेर व दिलबाग सिंह पुत्र

नशे के कारण हो रही मौतों को लेकर विधायक आदित्य देवीलाल ने सरकार पर निशाना साधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डबवाली

आज जब सिरसा जिला में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नशा मुक्ति के नाम पर साइक्लोथॉन की शोभायात्रा निकाल रहे थे, उसी समय गांव खोखर के होनहार नौजवान गगनदीप सिंह पुत्र मलकीत सिंह (पौत्र स्व. सरदार मिठू सिंह, पूर्व सरपंच) की नशे के कारण असमय मृत्यु हो गई। यह जानकारी देते हुए डबवाली के विधायक आदित्य देवीलाल ने आरोप लगाया कि सरकार नशें को लेकर गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक शर्मनाक और दुखद विडंबना है कि जहां एक ओर सरकार सिरसा में कैमरों के सामने नशा विरोधी दिखावा कर रही थी, वहीं जमीनी सच्चाई में जिला के गांव खोखर का एक युवा दम तोड़ रहा था।उन्होंने कहा कि अब वक्त रीलों, पोस्टरों और जुलूसों का नहीं बल्कि जिम्मेदारी लेने का और जिम्मेदारी तय करने का है। नशे की बाबत प्रशासनिक जिम्मेदारी तय हो और जिस क्षेत्र में नशे से मृत्यु होगी, वहां के एसएचओ को मृतक को कंधा देना अनिवार्य किया जाए और जिला का एसपी पीड़ित परिवार से मिलकर शोक प्रकट करने जाए। अधिकारी अपनी नशे को रोकने की अधिकारिक जिम्मेदारी की विफलता के लिए सार्वजनिक क्षमा याचना करें। विधायक आदित्य देवीलाल ने कहा कि नशा तस्करों पर त्वरित और कठोर कार्यवाही की जाए। सिर्फ छोटे-मोटे तस्करों को पकडऩे से नहीं, बड़े नेटवर्क को ध्वस्त किया जाए। उन्होंने कहा कि नशा रोकने के प्रचार के नाम पर जनता का पैसा बर्बाद करना बंद हो। वास्तविक काम जमीन पर नजर आना चाहिए, न कि सिर्फ सोशल मीडिया पर। इसके अलावा सिरसा में नशे के फैलते जाल में लिप्त पुलिस अधिकारियों और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए।यदि मुख्यमंत्री वास्तव में हरियाणा को नशा मुक्त बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले इन बिंदुओं पर गौर करें व इसे लागू करें। सच्चाई यह है कि नशा रोकने की सिर्फ घोषणाएं नहीं, कुर्सी पर बैठे लोगों को कड़ी कार्रवाई करनी होगी।

■ डबवाली के विधायक आदित्य देवीलाल ने आरोप लगाया कि सरकार नशें को लेकर गंभीर नहीं

फ्री इंटरनेट का लुत्फ उठाने वाले रहें सावधान साइबर धोखाधड़ी का हो सकते हैं शिकार: एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डबवाली

पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने कहा कि डिजिटल क्रांति के इस युग में हमारा ज्यादातर काम ऑनलाइन हो गया है या फिर हम अपने मनोरंजन के लिए इंटरनेट यूज करते रहते है। शॉपिंग से लेकर बिल भरने तक बैंक से जुड़े भी कई काम करने में हम ऑनलाइन मोबाइल लैपटाप या अन्य डिवाइस का प्रयोग करते हैं। कई बार जालसाज आपके इन उपकरणों को विभिन्न तरीकों से हैक करके आपका डाटा चुरा कर साइबर क्राइम को अंजाम देते है। आजकल सक्रिय साइबर अपराधी साइबर अपराध करने के नए नए तरीके अपना रहे है। अब साइबर अपराधी लोगों से ठगी के लिए सार्वजनिक स्थानों पर वाईफाई को हथियार बना रहे हैं। पुलिस द्वारा समय समय पर साइबर अपराध से बचने के लिए एडवाइजरी जारी की जाती है ताकि आमजन सतर्क व सचेत रहकर अपने पैसे की सुरक्षा कर सके । पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कई बार हम बाहर होते है तो हमारे मोबाइल लैपटॉप व अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के साथ फ्री वाईफाई का इस्तेमाल करते है । जो साइबर ठग अपने मोबाईल फोन को हमारे वाईफाई के माध्यम से अकाउंट में सेंध लगा सकते हैं। उन्होने बताया कि ये साइबर ठग भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाकर फ्री वाईफाई उपलब्ध करवाते हैं और उपयोगकर्ता के द्वारा एक्सेस करते ही उस व्यक्ति का सारा डाटा हैक कर लेते है और इस प्रकार उसका सारा अकाउंट खाली कर देते है। उन्होंने बताया कि ऐसे अपराधों से हमेशा सावधान रहें।

शैक्षणिक भ्रमण छात्रों में बढ़ाते हैं ज्ञान व कौशल: जयप्रकाश

सिरसा। जेसीडी इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए चार दिवसीय शैक्षणिक सह-मनोरंजन टूर आयोजित किया गया। इस टूर को जेसीडी विद्यापीठ के महानिदेशक डॉ. जयप्रकाश ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डॉ. जयप्रकाश ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण छात्रों के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। ऐसे अनुभव विद्यार्थियों को केवल पाठ्य पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उन्हें व्यवहारिक जीवन की चुनौतियों का भी सामना करना सिखाते हैं। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे इस अवसर का भरपूर लाभ उठाएं और ज्ञान के साथ-साथ जीवन-कौशल भी अर्जित करें।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8814999173, 9253681005

सावधानी

एसपी ने साइबर ठगी से बचने को लेकर जारी की एडवाइजरी

मोबाइल पर एनीडेस्क एप से हो सकती है ठगी, रहें सावधान : सिद्धांत जैन

हरिभूमि न्यू ▶▶| फतेहाबाद

ऑनलाइन खरीदारी या खाते से पैसे ट्रांसफर करने के लिए ज्यादातर लोग मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करते हैं। अगर मोबाइल पर किसी सोशल मीडिया के जरिए एनी डेस्क मोबाइल एप का लिंक फॉरवर्ड होकर आ जाए तो उस पर क्लिक करने से बचें। यह ऐप बैंक खाते के लिए घातक हो सकता है। साइबर शातिर आजकल ऑनलाइन ठगी के लिए एनी डेस्क एप का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। इस संदर्भ में पुलिस अधीक्षक फतेहाबाद सिद्धांत जैन ने आमजन की जागरूकता के लिए एडवाइजरी जारी की है । कोई भी ऐप डाउनलोड करने के बाद धोखाधड़ी करने वाले को 9 अंकों के रिमोट डेस्क कोड की आवश्यकता होती है, इसलिए वह उसके लिए पीड़ित से पूछताछ करेगा। एक बार जब पीड़ित 9 अंकों वाला कोड बता देता है और ऐप की अनुमति दे देता है तो धोखाधड़ी करने वाले को अपने डिवाइस पर पीड़ित के डिवाइस की स्क्रीन देखने को मिल जाएगी और इसे वह रिकॉर्ड भी कर सकता है। एसपी ने कहाकि कोई भी व्यक्ति साइबर अपराध से संबंधित किसी प्रकार की शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर 1930 और साइबर क्राइम पोर्टल पर रिपोर्ट कर नजदीकी थाने में साइबर हेल्प डेस्क पर शिकायत दे।

एसपी सिद्धांत जैन।

■ साइबर अपराध होने पर संबंधित थाने को सूचना दें

मामले की होगी जांच : एसपी

एसपी सिद्धान्त जैन ने बताया कि साइबर ठग प्रतिदिन धोखाधड़ी कर रहे है। पैसे हड़पने के लिए नए-नए हथकंडे अपना रहे है। आप किसी भी दूरस्थ डेस्कटॉप एप को अपने डिवाइस में डाउनलोड न करें। किसी भी व्यक्ति को अपनी आईडी, पासवर्ड, पिन, खाता संख्या आदि की जानकारी न दे। उन्होंने एनीडेस्क नाम के एक रिमोट डेस्कटॉप एप बारे आगाह करते हुए कहा कि एनी डेस्क एप ठगों के लिए एक बहुत ही सरल साधन है, क्योंकि यह उपयोगकर्ताओं को इंटरनेट पर अलग-अलग मोबाइल और सिस्टम से कनेक्ट करने की अनुमति देता है। आम शब्दों में यह एक स्क्रीन शेयरिंग प्लेटफॉर्म की तरह है। अपराधी इसका उपयोग धोखा देने और ऑनलाइन ठगी के लिए कर रहे है। पुलिस अधीक्षक का कहना है कि कुछ व्यक्ति गूगल पर मौजूद कस्टमर केयर का नंबर सर्च करके इस्तेमाल करते है।